▪ भाद्रपद शुक्ल - 4 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 35 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 27-08-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री से कभी उम्मीद नहीं थी कि वे हमें चोर कहेंगे : ममता

6 गणेश हैं विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता एवं जीवंत राष्ट्रीयता के प्रतीक

7 मन्नारा चोपड़ा ने बताया 'सा रे गा मा' का क्या है उनके लिए मतलब

अवकाश की सूचना

सभी पाठकों और विज्ञापनदाताओं को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर 27 अगस्त को **दक्षिण भारत राष्ट्रमत** कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 29 अगस्त 2025 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

सूर्यास्त	सूर्योदय
27-08-2025 6:33 बजे	28-08-2025 6:08 बजे

BSE	NSE
80,786.54 (-849.37)	24,712.05 (-255.70)

सोना	चांदी
10,508 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	119,536 रु. प्रति किलो

'स्वदेशी' हर किसी के जीवन का मंत्र होना चाहिए : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ यह महत्वपूर्ण नहीं है कि निवेश कौन करता है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि उत्पाद बनाने में भारतीयों की कड़ी मेहनत हो।

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि स्वदेशी हर किसी का जीवन मंत्र होना चाहिए। मोदी ने साथ ही कहा कि उनकी सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल ने वैश्विक एवं घरेलू दोनों विनिर्माताओं के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि 'स्वदेशी' की उनकी परिभाषा सरल है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पैसा किसका लगा है, डॉलर है या पाउंड.. या वह मुद्रा काली है या सफेद। बस उस पैसे से जो भी उत्पादन हो, उसमें मेरे देशवासियों का पसीना होना चाहिए।

गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत में बने इलेक्ट्रिक वाहनों को चलाएगी।

मोदी ने लोगों से केवल स्वदेशी उत्पाद खरीदने का आग्रह किया और कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि निवेश कौन करता है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि उत्पाद बनाने में भारतीयों की कड़ी मेहनत हो। उन्होंने कहा कि इस तरह मारुति सुजुकी भी एक स्वदेशी कंपनी है।

प्रधानमंत्री ने कहा, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बन जाना चाहिए। आइए, स्वदेशी को गर्व से अपनाएं। जापान में जो चीजे यहां बनेंगी, वे भी स्वदेशी होंगी। उन्होंने कहा, स्वदेशी की मेरी परिभाषा बहुत सरल है। मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि किसका पैसा निवेश किया गया है...चाहे वह डॉलर हो या पाउंड, या वह मुद्रा काली है या सफेद। बस उस पैसे से जो भी उत्पादन किया जाए, उसमें मेरे देशवासियों का पसीना होना चाहिए। उन उत्पादों में मेरे देश की मिट्टी की खुशबू होनी चाहिए।

भारत को 2047 तक एक विकसित देश बनाने के अपने संकल्प का उल्लेख करते हुए मोदी ने लोगों से देश की भावी पीढ़ियों के लिए इस स्वदेशी आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 2047 में हम भारत को ऐसा बनाएंगे कि आने वाली पीढ़ियां आपके त्याग एवं योगदान पर गर्व करेंगी।

एकता के लिए एकरूपता की जरूरत नहीं : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारतीय, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, अपने पूर्वजों की सामान्य परंपराओं से बंधे हैं और अखंड भारत में 40,000 से अधिक वर्षों से उनका "डीएनए" एक ही है।

नई दिल्ली/भाषा। देश में एकजुटता का संदेश देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने एकता के लिए एकरूपता की जरूरत को नकारते हुए मंगलवार को कहा, ''विविधता में भी एकता है'' और अलग विचारधारा रखना कोई अपराध नहीं है।

नामी हस्तियों, विदेशी राजनयिकों और अन्य के समक्ष दिए गए एक महत्वपूर्ण संबोधन में भागवत ने कहा कि भारतीय, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, अपने पूर्वजों की सामान्य परंपराओं से बंधे हैं और अखंड भारत में 40,000 से अधिक वर्षों से उनका ''डीएनए'' एक ही है। उन्होंने कहा कि आरएसएस एकता के लिए एकरूपता को जरूरी नहीं मानता। उन्होंने आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, सद्भावना से रहना हमारी संस्कृति है। ऐसा नहीं है कि एकता एकरूपता से आती है। विविधता में भी एकता है। विविधता, एकता का ही परिणाम है।''

ऐसा प्रतीत होता है कि भागवत का संबोधन हिंदुत्ववादी संगठन के बारे में चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से था, जिस पर आलोचकों द्वारा अपने कथित अल्पसंख्यक-विरोधी पूर्वाग्रहों के ज़रिए विभाजनकारी भावनाएं भड़काने का आरोप लगाया गया है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आरक्षण पर ...

कुछ हो गए हैं पक्ष में,
कुछ हैं विरोध में।
कुछ हैं बड़े आनंद में,
कुछ हैं यूं क्रोध में।
कुछ बन गए चालाक,
तो कुछ हैं अबोध में।
सबको पता है सत्य,
पर सरकार शोध में।।

दो बहुउद्देशीय स्टील्थ फ्रिगेट का हुआ जलावतरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यहां भारतीय नौसेना की पूर्वी नौसेना कमान में दो बहुउद्देशीय स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को शामिल किया। इन युद्धपोतों के डिजाइन और हथियारों में उल्लेखनीय सुधार किया गया है और इन्हें समुद्री सुरक्षा तंत्र में एक महत्वपूर्ण वृद्धि के रूप में देखा जा रहा है।

उदयगिरि और हिमगिरि भारतीय नौसेना के नवीनतम अत्याधुनिक 'प्रोजेक्ट 17ए' के तहत बने हैं और इनका जलावतरण ऐसा पहला अवसर है जब दो अलग-अलग शिपयार्ड में निर्मित अग्रिम पंक्ति के दो जंगी पोतों को एक साथ जलावतरण समारोह में शामिल किया गया।

यह घटनाक्रम भारत के पूर्वी तट के बढ़ते समुद्री महत्व को रेखांकित करता है। दोनों फ्रिगेट भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा आंतरिक रूप से डिजाइन किए गए हैं, और विशेष रूप से, उदयगिरि युद्धपोत डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा डिज़ाइन किया गया 100वां जहाज है, जो स्वदेशी युद्धपोत डिज़ाइन के पांच दशकों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रक्षा अधिकारियों के मुताबिक उदयगिरि और हिमगिरि, परियोजना 17 (शिवालिक) श्रेणी के मध्यम आकार के अनुवर्ती पोत हैं, और दोनों जहाजों में डिजाइन, स्टील्थ (रडार की पहुंच से बच निकलने की क्षमता), हथियार और सेंसर प्रणालियों में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं, जो गहन समुद्री परिस्थितियों में मिशनों की पूरी शृंखला को अंजाम देने में सक्षम हैं।

भारतीय नौसेना ने सोमवार देर रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दो अत्याधुनिक लड़ाकू प्लेटफॉर्म भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल हो गए हैं, जिससे समुद्र में भारत की ताकत और मजबूत होगी...।

संवत्सरी महापर्व के अवसर पर
देशनोक में विराजित हुक्म गच्छाधिपति, नानेश पट्टधर, व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक आचार्यश्री 1008 श्री रामलालजी म.सा.
आदि ठाणा के श्री चरणों में वंदन-नमन करते हुए देशनोक-राजस्थान में चल रहे आचार्यश्री एवं अन्य शहरों में चातुर्मासार्थ विराजित साधु-साध्वीश्री के चातुर्मास को ऐतिहासिक व यादगार होने की कामना करते हैं।
" खामेमि सव्व जीवे सव्वे जीवा खमतुं में, मित्ति में सव्व भुएसु, बैंर मंज्झंन केणाई "
संवत्सरी महापर्व के उपलक्ष्य में हम सभी अपनी भूलों के लिए आप सभी से क्षमा चाहते हैं।
यदि हमने जाने-अनजाने आपके मन को ठेस पहुंचाई हो या ठेस पहुंचाने का भाव भी मन में आया हो तो आज हम मन, वचन और काया से आपसे क्षमा मांगते हैं।
मिच्छामी दुक्कड़म
श्रीमती जेठीदेवी सिपानी
विमला-कमल सिपानी, कविता-यशवंत बोथरा, काजल-संजय सांखला, पूजा-चन्दन शाह, एकता-संकेत देवड़ा, स्नेह-हितेश लुंकड़ एवं राशि-अभिषेक सिपानी, उदयरामसर-बेंगलूरु
कमल सिपानी : पूर्व अध्यक्ष : श्री साधुमार्गी जैन संघ, बेंगलूर
Abhinandan Petro Pack P. Ltd.
27/1A, Vadera Manchenhalli, Kallu Balu Post, Jigni Hobli, Anekal Taluk, B'lore-562106 Ph. : 27825204/5 Fax : 080-2782507

" खामेमि सव्व जीवे सव्वे जीवा खमतुं में, मित्ति में सव्व भुएसु, बैंर मंज्झंन केणाई "
संवत्सरी महापर्व के उपलक्ष्य में हम सभी अपनी भूलों के लिए आप सभी से क्षमा चाहते हैं।
यदि हमने जाने-अनजाने आपके मन को ठेस पहुंचाई हो या ठेस पहुंचाने का भाव भी मन में आया हो तो आज हम मन, वचन और काया से आपसे क्षमा मांगते हैं।
आप सभी को मिच्छामी दुक्कड़म
पारसमल निर्मलकुमार गजेशकुमार मानव भंडारी, मरुधर में मारवाड़ जंक्शन
ADISHWAR INDIA LIMITED
Registered Office: # 85, 59TH CROSS, 4TH BLOCK, RAJAJINAGAR, Bangalore-560010, Ph 080-40733999
Email: info@adishwarindia.com, Web: www.adishwarindia.com

दुश्मन के खिलाफ 'ढाल और तलवार' की तरह काम करेगा 'सुदर्शन चक्र' : सीडीएस

महू (मध्यप्रदेश)/भाषा। भविष्य की सैन्य चुनौतियों से निपटने के लिए सभी सशस्त्र बलों के तालमेल और तकनीकों के एकीकरण पर बल देते हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को भारत की प्रस्तावित वायु रक्षा प्रणाली 'सुदर्शन चक्र' का संभावित खाका पेश किया।

जनरल चौहान ने कहा कि 'सुदर्शन चक्र' से सेंसरों, मिसाइलों, निगरानी उपकरणों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उपकरणों को बड़े पैमाने पर जोड़ा जाएगा और यह प्रणाली 'ढाल और तलवार, दोनों की तरह काम करेगी। सीडीएस ने सैन्य छावनी महू के 'आर्मी वॉर कॉलेज' में तीनों सेनाओं की संयुक्त रक्षा संगोष्ठी रण संवाद 2025 में अपने संबोधन के दौरान यह बात कही। उन्होंने इशारा किया कि भारत की 'सुदर्शन चक्र' प्रणाली इजराइल के उस सर्वकालिक वायु रक्षा तंत्र 'आयरन डोम' की तर्ज पर होगी जिसे बेहद प्रभावशाली सैन्य कवच माना जाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में 'सुदर्शन चक्र' की 10 वर्षीय महत्वाकांक्षी परियोजना की घोषणा की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान पर यहूदी विरोधी हमले कराने का आरोप लगाया

तेहरान के साथ राजनयिक संबंध किए समाप्त

मेलबर्न/एपी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ऑस्ट्रेलिया में कम से कम दो यहूदी विरोधी हमलों में ईरान का हाथ होने का आरोप लगाया और इसके जवाब में मंगलवार को तेहरान के साथ राजनयिक संबंध समाप्त कर लिए।

अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन (एएसआईओ) ने निष्कर्ष निकाला है कि ईरान सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में सिडनी में कोषेर (यहूदी धार्मिक कानूनों के अनुसार तैयार किया गया भोजन) खाद्य कंपनी 'लुईस कॉन्टिनेंटल किचन' और पिछले साल दिसंबर में मेलबर्न में अदस इजराइल आराधनालय पर हमले का निर्देश दिया था। इस संबंध में ईरान सरकार ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया ने किसी राजदूत को निष्कासित किया है।

हमास और इजराइल के बीच 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से इन दोनों शहरों में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है।

अल्बनीज ने संवाददाताओं से कहा, एएसआईओ पर्याप्त विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर एक बेहद परेशान करने वाले निष्कर्ष पर पहुंचा है। इनमें से कम से कम दो हमलों का निर्देश ईरान सरकार ने दिया था।

|| मिच्छामी दुक्कडमं ||
संवत्सरी के इस महान पर्व पर विगत वर्ष में जानते-अजानते प्रमादवश हमारी किसी भी भूल, त्रुटि या अशातना के लिए अंत:करण से हृदय से क्षमायाचना करते हैं।

हमारे पूज्यनीय, स्मरणीय, प्रेरणास्रोत सेठसाहब श्री केसरीमलजी-विमलादेवी बुरड, सेठसाहब श्री सुजानमलजी बुरड.

क्षमायाचना सहित
श्रीमती शंकुतलादेवी, प्रकाश-आरती, आदिती, वैभव बुरड़, देवगढ-बेंगलूरु
प्रकाश बुरड़ - जैन कॉन्फ्रेन्स, कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष

तप आत्म शुद्धि का पवित्र माध्यम : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने पर्युषण पर्व के सातवें दिन कहा कि तप आत्म शुद्धि का पवित्र माध्यम है। उन्होंने अंतगड सूत्र के माध्यम से राजा श्रेणिक की काली, सुकाली, महाकाली आदि दस रानियों के प्रभु महावीर के पास जाकर दीक्षा ग्रहण करके विभिन्न रत्नावली आदि अनेक प्रकार की विशिष्ट तप साधना करते हुए परम पद मुक्ति मोक्ष को प्राप्त करने के प्रेरक जीवन प्रसंग पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत की। उन्होंने आगे कहा कि तपस्या करने से साधक के भवो भवो के किए संचित कर्म नष्ट हो जाते हैं। तप आत्मा की ज्योति है। तप आत्मा का श्रृंगार है। उन्होंने कहा कि श्रमण संस्कृति तप प्रधान संस्कृति है तप श्रमण संस्कृति का प्राण तत्व है। जीवन की श्रेष्ठ कला है। तप जीवन का दिव्य आलोक है। शूरवीर साधक ही तप कर सकते हैं, कायर नहीं। सभी तीर्थंकरों ने अपने पूर्व भव में तप की महान साधनाएं की थी। संचालन राजेश मेहता ने किया। प्रारंभ में रूपेश मुनि जी ने अंतगड सूत्र का वाचन किया। उप प्रवर्तकश्री पंकजमुनि जी ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया।

मनोदशा को बदले बिना अपराध कम नहीं होंगे : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में पर्युषण महापर्व के सातवें दिन जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि बाहर के कितने भी उपाय आजमाओ, अपराध जारी ही रहेंगे। असली अपराधी बाहर नहीं बल्कि भीतर बैठा है। अपराधों की सारी प्रेरणाएं अंदर से मिलती हैं। अंतर्मन की दशा बदले बिना बाह्य परिवेश कभी नहीं बदलता, इसलिए सरकारी व सामाजिक स्तर पर भावहिंसा को कम करने के लिए स्कूल-कॉलेज और प्रचार माध्यमों के द्वारा कोर्स चलाये जाने चाहिए। बचपन से ही अहिंसा, करुणा, प्रेम, मैत्री आदि महत्वपूर्ण जीवनमूल्यों की ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। इनके लिए निरंतर सेमिनार आयोजित होनी चाहिएं। मानवीय मूल्यों के प्रसार-प्रचार पर सर्वाधिक खर्च होना चाहिए।

हिंसा और अपराध की प्रेरणा देने वाले सारे माध्यम बंद किए जाने चाहिएं।जैसा मानवीय समाज हम चाहते हैं, वैसी शिक्षा-दीक्षा हमें समाज को देनी होती है। बचपन से ही बालकों को जो देखने और सीखने को मिल रहा है, वैसा ही समाज निर्मित होता जा रहा है। इसमें कुछ भी आकस्मिक या आश्चर्यजनक नहीं है। गलती बालकों की नहीं, समाज के प्रबुद्ध लोगों और सरकारों की है। ङ्कआचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि द्रव्यहिंसा से भी भावहिंसा बहुत खतरनाक है। इसे रोकने के मनोवैज्ञानिक उपाय अपनाने होंगे वरना सुकून और शांति से जीने के सभी रास्ते बंद हो जाएंगे। यह बात जितनी सामान्य लग रही है, उतनी ही महत्वपूर्ण है। लगभग पूरी दुनिया भावहिंसा के मार्ग पर ही आगे बढ़ रही है। ऐसी विषम परिस्थितियों में लड़ाई-झगड़े, हिंसा, हत्या, बलात्कार, तोड़फोड़, लूटपाट, आगजनी, युद्ध, चोरी आदि अपराधों के कम होने की कोई संभावना नहीं है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने तार्किक ढंग से आगे कहा कि किसी रेप या मर्डर पर बवाल मचाने अथवा रैलियां निकालने से क्या होगा ? वास्तविकता यह है कि पढ़े-लिखे लोगों, अभिभावकों, अधिकारियों और सरकारों द्वारा अपराधों को मिटाने के लिए ठोस सार्थक प्रयास नहीं हो रहे।

संकल्पसिद्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सुमति नाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी की निश्रा में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के सातवें दिन मासक्षमण के तपस्वी दीपक गादिया एवं अट्ठाई करने वाले तपस्वियों का सामूहिक पच्चक्खाण का कार्यक्रम रखा गया। सुमति जिनमंडल भक्ति मंडल के सदस्यों ने तपस्वियों की अनुमोदनार्थ तपस्या के गीत प्रस्तुत किए। साध्वीश्री ने तप की महत्ता बताई और तपस्वियों के तप निर्विघ्न पूर्णाहुति हेतु आशीर्वाद प्रदान किया।

स्वाध्याय की अलख जगाई प्रवर्तक पन्नालाल मुनि ने : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सन गार्डन में पर्युषण पर्व के प्रवचन में कहा कि चंदनबाला की भक्ति में ऐसी शक्ति थी कि वह बंधनों में जकड़ी हुई थी लेकिन उसका अंतर्मन भगवान महावीर के प्रति समर्पित था और उसका उद्धार करने के लिए साक्षात भगवान महावीर उसके द्वार पर उपस्थित हो गए। भगवान भी भक्ति के वश में होते हैं और सच्ची भक्ति प्रभु की प्राप्ति कर देती है। सच्ची भक्ति अमरता की ओर ले जाती है। सच्चे मन से, अंतर की पवित्रता से की जाने वाली भक्ति में अपार शक्ति होती है। राजस्थान केसरी सुदीर्घ विचारक प्रवर्तक पन्नालाल मुनि का 138वां जन्म दिवस त्याग तपोमय वातावरण में मनाया गया। गुणानुवाद करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि वे स्वाध्याय संघ के आद्य प्रणेता थे। उन्होंने समग्र जैन समाज में स्वाध्याय की अलख जगाई और श्रावक श्राविकाओं को जिनशासन की सेवा हेतु तैयार किया जिससे जहां साधु-साध्वी नहीं पहुंच पाते हैं वहां स्वाध्यायी पहुंचकर धर्म आराधना संपन्न कराते हैं। जैन समाज के उत्थान के लिए प्रवर्तक पन्नालालमुनि की प्रेरणा से अनेक पाठशाला, छात्रावास, कन्या पाठशाला आदि संस्थाओं का निर्माण किया गया और राजस्थान के गुलाबपुरा में स्वाध्याय संघ की स्थापना की गई । साध्वी धैर्याश्री ने भी प्रेरक उद्बोधन दिया। इस अवसर पर प्राज्ञ जैन संघ के अनेक सदस्य, कम्मनहल्ली जैन संघ के मंत्री हस्तीमल बाफना, संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचन्द भंसाली सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

बच्चे संस्कृति के प्राण है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साध्वी कंचनकंवरङ्कङ्कबेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी कंचनकंवरजी ने पर्युषण पर्व के सातवें दिन कहा कि धर्म के संस्कार कई जन्मों के प्रयास से बनते हैं। सुसंस्कारों के कारण राम, कृष्ण, महावीर, स्वामी विवेकानंद ने ही जीवन को उच्चता के शिखर पर पहुंचाया है। माताएं सबसे पहले बच्चों को सुसंस्कार देती हैं क्योंकि बच्चे संस्कृति की शान हैं। बच्चे संस्कृति के प्राण हैं और बच्चे ही संस्कृति की मुस्कान हैं। साध्वी अणिमाश्री ने कहा कि वर्तमान में भले ही पंचम आरा हो, लेकिन मिला हुआ धर्म तारणहार है। बच्चा जब तक छोटा है, तब तक उसे मोड़ सकते हैं, बड़ा होने पर मोड़ना चाहेंगे तो मुड़ेगा नहीं, बल्कि टूट जाएगा।

निसर्गा ग्राम में बच्चों ने अपने हाथों से बनाए मिट्टी के गणेश

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन यूथ विंग कर्नाटक, हैंड्स फॉर सोसाइटी और मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल के संयुक्त तत्वावधान में निसर्गा ग्राम हेसरघट्टा में गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में मिट्टी के गणेश निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में बच्चों और स्वयंसेवकों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ भाग लिया और अपने हाथों से गणेश मूर्तियां बनाईं। इसके पश्चात बच्चों के लिए एक अभिनव पहल के रूप में 'चिल्ड्रन बैंक' का उद्घाटन किया गया। आयोजन में अंताक्षरी, गायन और नृत्य जैसी मनोरंजन गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। बच्चों की प्रतिभा को सम्मानित किया गया।

इस आयोजन में संस्था के कोषाध्यक्ष आयुष भीमसरिया, महिला विंग की अध्यक्षा ऋतु अग्रवाल, अनिता जिंदल, मीरा अग्रवाल, यूथ विंग के आयोजन सचिव पुनीत गोयल, सह सचिव गौरव अग्रवाल आदि ने व्यवस्था संभाली। हैंड्स फॉर सोसाइटी ने मिट्टी, चॉकलेट्स और अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था की। महासम्मेलन यूथ विंग कर्नाटक के अध्यक्ष ब्रजेश अग्रवाल ने तीनों संस्थाओं के पदाधिकारियों सहित बच्चों को धन्यवाद दिया।

सुरभि गौशाला का उद्घाटन

बेंगलूरु । सहज स्मृति योग जीवन दर्शन की भू-आश्रय-स्थली, दर्पण आश्रम में सुरभि गौशाला का उद्घाटन ललिता सप्तमी के दिन शनिवार 30 अगस्त को अभिजित मुहूर्त में होगा। इस अवसर पर गौ महिमा के विशेषज्ञ डॉ मल्लिकार्जुन राव, दक्षिण भारत राष्ट्रमत दैनिक के समूह संपादक श्रीकांत पाराशर, गौ-भक्त, समाज सेवक महेंद्र मुणोत, सस्टेनेबल आर्किटेक्टचर के लिए ख्याति प्राप्त आर्किटेक्ट सत्यप्रकाश वाराणसी, डॉ मनोहर भारती और स्थानीय स्तर पर शिक्षा में विशिष्ट अवदान लिए प्रतिबद्ध साध्वी गौरम्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी दर्पण आश्रम के प्रणेता गुरुजी नंदकिशोर जी ने दी है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री को आमंत्रित करने के लिए राहुल, प्रियंका को बिहार से माफी मांगनी चाहिए: प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा से कहा कि वे अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आमंत्रित करने के लिए ''बिहार की जनता से माफी मांगें।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रधान ने यह टिप्पणी पार्टी की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की। 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मंगलवार को रेड्डी को सुपौल जिले में प्रियंका और राहुल के साथ देखा गया। प्रधान ने कहा, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को बिहार के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा था कि बिहार का 'डीएनए घटिया' है। यात्रा में उनके साथ मौजूद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को भी माफी मांगनी चाहिए। रेड्डी ने कुछ साल पहले कथित तौर पर कहा था कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के अंदर एक 'बिहारी डीएनए' है, जो 'तेलंगाना के डीएनए' जैसी गुणवत्ता वाला नहीं है। बिहार के लिए भाजपा के पूर्व प्रभारी महासचिव प्रधान ने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर 'वोट चोरी' की 'अफवाहें फैलाने' का आरोप लगाया।

लिथियम की आपूर्ति से जुड़ा जोखिम सेल विनिर्माण में निवेश को रोक रहा है: मारुति सुजुकी चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हंसलपुर (गुजरात)/भाषा। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने मंगलवार को कहा कि लिथियम की आपूर्ति के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जोखिम की स्थिति बनी हुई है जो निवेशकों को भारत में बैटरी सेल विनिर्माण में बड़े पैमाने पर निवेश करने से रोक रहा है।

मारुति सुजुकी इंडिया के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा के 100 देशों में निर्यात की शुरुआत और यहां अपने संयंत्र में मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम आयन बैटरी सेल के उत्पादन के उद्घाटन से इतर भार्गव ने उम्मीद जताई कि भारतीय वैज्ञानिक ऐसी प्रौद्योगिकियां विकसित करने में सक्षम होंगे जो बाहरी आपूर्ति पर निर्भरता को हल कर सकें। उन्होंने कहा, हम अभी तक ईवी बैटरियां नहीं बनाते...भारत में कोई भी बैटरी सेल नहीं बना रहा है। आज इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की एक समस्या यह है कि लोग सेल को बैटरियों में पैक कर रहे हैं लेकिन सेल का वास्तविक उत्पादन (भारत में) नहीं हो रहा है।

भार्गव ने जोर देकर कहा कि बैटरी सेल के उत्पादन के लिए संयंत्र स्थापित करना '' एक बहुत ही पूंजी-प्रधान प्रस्ताव है। उद्योग के अनुमानों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक बैटरी संयंत्र स्थापित करने में करीब 20,000 करोड़ रुपए की लागत आ सकती है। उन्होंने कहा, कच्चा माल (लिथियम) एक समस्या है। यदि मैं कोई संयंत्र लगाता हूं और मुझे कच्चा माल उपलब्ध नहीं होता तो एक निवेशक के रूप में मेरा जोखिम क्या होगा... खासकर यदि कच्चे माल पर एक ही आपूर्तिकर्ता का नियंत्रण हो?'' भार्गव ने कहा कि '' जोखिम बहुत अधिक है, संभवतः यही एक कारण है जिसके कारण लोग भारत में बैटरी विनिर्माण में निवेश करने से दूर रह रहे हैं। भार्गव ने कहा, आपूर्तिकर्ता के मनमाने निर्णय से मैं स्वयं को कैसे बचा सकता हूं?''

अन्य कंपनियों के साथ साझेदारी से समस्या हल होने के सवाल पर भार्गव ने कहा, या तो आप किसी चीन की कंपनी के साथ साझेदारी करें...उन्हें इसमें बहुमत दें और उन्हें स्थापित होने दें और वे आपको कच्चे माल की आपूर्ति का आश्वासन दें लेकिन अभी तक किसी ने ऐसा नहीं किया है। मारुति सुजुकी की अनुषंगी कंपनी टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (टीडीएसजी) लिथियम-आयन बैटरी सेल का इलेक्ट्रोड-स्तरीय स्थानीयकरण हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। इसने यहां स्थित संयंत्र में एक मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन के लिए पहली लिथियम-आयन बैटरी, सेल और इलेक्ट्रोड का विनिर्माण शुरू कर दिया है। टीडीएसजी ने 2021 में माइल्ड हाइब्रिड वाहनों के लिए बैटरियों का उत्पादन शुरू किया और तब से अबतक कुल 10 लाख से अधिक वाहनों के लिए बैटरी पैक का उत्पादन कर चुका है। इसने कुल 4,267 करोड़ रु. का निवेश किया है और प्रति वर्ष 1.2 करोड़ बैटरी के विस्तार की योजना बनाई है।

जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश से रेल यातायात बाधित, 18 ट्रेन रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश के कारण उत्तर रेलवे ने मंगलवार को कटरा, उधमपुर और जम्मू रेलवे स्टेशन से आने-जाने वाली 18 ट्रेनों को रद्द कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

जम्मू क्षेत्र में सोमवार रात से लगातार हो रही बारिश को दशकों में सबसे भारी बारिश बताया जा रहा है, जिससे पुल क्षतिग्रस्त हो गए, सड़क संपर्क मार्ग बाधित हो गया और बड़ा भूभाग जलमग्न हो गया। भारी बारिश के कारण हो रहे नुकसान के बीच लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू श्रीनगर और किश्तवाड़-डोडा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात बंद कर दिया गया है, जबकि कई पहाड़ी सड़कें भूस्खलन या अचानक आई बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो जाने से अवरुद्ध हो गई हैं। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा भी स्थगित कर दी गई है। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, क्षेत्र में मौसम की स्थिति के मद्देनजर 18 ट्रेन

जम्मू में स्थिति गंभीर, बाढ़ से निपटने के उपायों की समीक्षा की : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि भारी बारिश के बाद जम्मू के विभिन्न हिस्सों में स्थिति काफी गंभीर है और उन्होंने प्रशासन को हाई अलर्ट बनाए रखने का निर्देश दिया। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने जम्मू संभाग में बाढ़ जैसी स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपातकालीन बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री ने जम्मू में बाढ़ नियंत्रण उपायों का जायजा लेने के लिए यहां आयोजित एक बैठक में ये निर्देश दिए। जम्मू में भारी बारिश के कारण तीन लोगों की मौत हो गई तथा दो दर्जन से अधिक मकान और पुल क्षतिग्रस्त हो गए। जम्मू में लगभग सभी जलाशय खतरे के निशान से ऊपर बह रहे हैं, जिससे शहर और अन्य स्थानों पर कई निचले इलाके और सड़कें जलमग्न हो गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर और किश्तवाड़-डोडा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात स्थगित कर दिया गया है।

'संवैधानिक रूप से सबसे अनैतिक' है मोदी सरकार: सिब्बल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार विपक्ष को निशाना बनाने के लिए कानूनों को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है और यह भारत के इतिहास में ''संवैधानिक रूप से सबसे अनैतिक'' सरकार है। उन्होंने उन विधेयकों की आलोचना की, जिनमें गंभीर आरोपों में गिरफ्तार होने पर 30 दिनों तक जेल में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है।

वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सदस्य सिब्बल ने यह भी दावा किया कि ये विधेयक इसलिए लाए गए हैं, क्योंकि भाजपा जानती है कि बिहार में माहौल बदल गया है और वह लोगों का ध्यान दूसरे मुद्दों की ओर मोड़ना चाहती है। सिब्बल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप कभी-कभी कुछ लोगों को मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन आप सभी लोगों को हर समय मूर्ख नहीं बना सकते।

माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन से पांच लोगों की मौत, 14 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश की वजह से रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर मंगलवार अपराह्न भूस्खलन हुआ जिसकी चपेट में आने से कम से पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 14 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक कई लोगों के मलबे में दबे होने की भी आशंका है।

माता वैष्णो देवी के भवन तक जाने की तीर्थयात्रा उस समय स्थगित कर दी गई, जब अपराह्न करीब तीन बजे पहाड़ की ढलानें ढह गईं और पत्थर, शिलाखंड और चट्टानें तेजी से नीचे गिरने लगीं। अचानक आई आपदा से श्रद्धालु चपेट में आ गए। अधिकारियों ने बताया कि अर्द्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास बचाव अभियान जारी है, जहां अपराह्न करीब तीन बजे भूस्खलन की घटना हुई। उन्होंने बताया कि पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक जाने वाले 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग आधे रास्ते पर यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि भवन तक पहुंचने के दो रास्ते हैं। इनमें से हिमकोटि मार्ग पर यात्रा सुबह ही स्थगित कर दी गई थी, लेकिन अपराह्न 1.30 बजे तक पुराने मार्ग पर यात्रा जारी थी। हालांकि मूसलाधार बारिश के मद्देनजर अगले आदेश तक इस रास्ते से भी यात्रा स्थगित करने का फैसला किया गया। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अर्द्धकुंवारी में भूस्खलन की एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में पांच लोगों की जान चली गई है और 14 अन्य घायल हो गए हैं। बचाव अभियान जारी है।

आरएसएस प्रार्थना विवाद पर शिवकुमार ने कहा- माफी मांगता हूं; पार्टी के दबाव से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रार्थना गाने के कारण पार्टी के भीतर आलोचनाओं का सामना कर रहे कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि इस घटना के कारण यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह माफी मांगते हैं। हालांकि उन्होंने यह दावा भी किया कि विधानसभा में प्रार्थना के जरिये वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधना चाहते थे। शिवकुमार ने दावा किया कि उन्होंने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि उनकी कांग्रेस पार्टी में कुछ लोग इस घटना का 'दुरुपयोग' करने और भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए कहा कि उनका रिश्ता भगवान और भक्त जैसा है। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख शिवकुमार ने यह भी कहा कि अगर आरएसएस के प्रार्थना गायन से किसी को ठेस पहुंची है, तो उन्हें खेद है। उन्होंने कहा कि वह एक कांग्रेसी हैं और मरते दम तक कांग्रेसी ही रहेंगे। निष्कासित कैबिनेट सदस्य और पार्टी के ही विधायक के एन राजन्ना ने सवाल किया कि शिवकुमार के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने यह भी स्पष्ट करने का प्रयास किया कि उन्होंने विधानसभा में किसी संदर्भ में इसका उल्लेख किया था। शिवकुमार ने साथ ही कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रशंसा नहीं की। उन्होंने कहा कि वह भाजपा नेता आर अशोक की खिंचाई करना चाहते थे। शिवकुमार ने हाल में सदन के अंदर आरएसएस का प्रार्थना गाकर सभी को हैरान कर दिया था।

शिवकुमार ने कहा, पिछले सप्ताह विधानसभा में भगदड़ की घटना (4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई, जिसमें 11 लोग मारे गए थे) पर चर्चा के दौरान, विपक्ष के नेता आर अशोक की खिंचाई करने के लिए, मैंने आरएसएस की प्रार्थना की दो-तीन पंक्तियां पढ़ीं। मेरा इरादा उनकी प्रशंसा करना नहीं था। मैंने बस उनकी (भाजपा की) खिंचाई करने की कोशिश की। मेरे कुछ मित्र (कांग्रेस में) इसका राजनीतिक फायदा उठा रहे हैं, इसका दुरुपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं और भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि विधानसभा में उनके द्वारा दिए गए सरसरी संदर्भ को काटकर किसी और चीज से जोड़ दिया गया और उसे राष्ट्रीय समाचार बना दिया गया। उन्होंने कहा, यदि किसी को ठेस पहुंची है, जिसके बारे में मेरे कुछ पार्टी सहयोगी टिप्पणी कर रहे थे तो मुझे इसके लिए खेद है। इंडि' गठबंधन में, अलग-अलग राजनीतिक दलों में मेरे कई मित्र हैं। मैं किसी को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता, मैं उनकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता। मैं उन सभी से माफ़ी मांगता हूं।

उन्होंने कहा, मैं किसी से बड़ा नहीं हूं, मेरा जीवन समाज में सबको ताकत देने के लिए है। उन्होंने कहा कि एक निष्ठावान कांग्रेसी होने के नाते वह किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते। उन्होंने कहा, अगर आपको लगता है कि मैंने कोई गलती की है, जो मैंने नहीं की है, तब भी मैं माफी मांगने को तैयार हूं।

कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए शिवकुमार ने कहा, गांधी परिवार के प्रति मेरी निष्ठा पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। मैं जन्म से कांग्रेसी हूं, मरते दम तक कांग्रेसी ही रहूंगा। शिवकुमार ने कहा कि पार्टी ने उन पर माफी मांगने का दबाव नहीं डाला है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आलाकमान या किसी भी नेता ने उनसे इस बारे में सवाल नहीं किया है, क्योंकि उन्हें उन पर भरोसा है। उन्होंने कहा, ...मैं पूरे देश में, समर्थन करने वालों, जिनमें मेरे मीडिया के दोस्त भी शामिल हैं, यह संदेश देना चाहता हूं कि मैं एक निष्ठावान कांग्रेसी के रूप में प्रतिबद्ध हूं, मैं मरते दम तक एक कांग्रेसी रहूंगा। गांधी परिवार के साथ मेरी निष्ठा और रिश्ता भगवान और भक्त के जैसा है। गांधी परिवार मेरा भगवान है और मैं भक्त हूं।

शिवकुमार ने कहा कि उनके इतिहास, प्रतिबद्धता, निष्ठा और विचारधारा को जानने के बावजूद, अगर कोई उन पर संदेह करना चाहता है, तो उनसे बड़ा मूर्ख कोई नहीं है। उन्होंने दावा किया, छात्र जीवन से लेकर आज तक के मेरे सफर में, मेरी पीढ़ी के नेताओं में से कोई भी इन मामलों में मेरे आस-पास भी नहीं पहुंच सकता। किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, ...हमारी पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने मुझे कुछ सलाह दी है और मीडिया में बोल रहे हैं। उन्हें आकर मुझसे बात करने दीजिए। इसके अलावा, उन्होंने याद किया कि जब महाराष्ट्र में विलास राव देशमुख के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार खतरे में थी, तो पार्टी नेताओं के निर्देश पर, उन्होंने सरकार बचाने के लिए सौ से अधिक कांग्रेस विधायकों को कर्नाटक पहुंचाया था।

उन्होंने कहा, तब भी मेरे खिलाफ साजिश हुई थी और यह झूठी खबर फैलायी गई थी कि मैंने हिरण का मांस परोसा है और छापे पड़े थे। फिर अहमद पटेल के राज्यसभा चुनाव के दौरान, गुजरात के विधायक यहां थे। मेरे परिवार के 77 सदस्यों पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय), सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) और आयकर विभाग ने 400 मामले दर्ज किए। मुझे भी गिरफ़्तार किया गया, जेल भेजा गया, अब मैं जेल से बाहर हूं।

उन्होंने कहा कि जेल जाने के बाद कई लोगों ने कहा था कि उनकी राजनीति खत्म हो गई है। उन्होंने कहा, तिहाड़ जेल से बाहर आने पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने मुझे उप-मुख्यमंत्री और (कर्नाटक प्रदेश) अध्यक्ष का पद दिया और मैं संगठन और जनता, दोनों के लिए अथक परिश्रम कर रहा हूँ। अपने नरम हिंदुत्व के खिलाफ आलोचना पर एक सवाल का जवाब देते हुए, शिवकुमार ने कहा, मैं अपना धर्म छोड़ने के लिए तैयार नहीं हूं, मैं जन्मजात हिंदू हूं। मैं ऐसा कैसे कर सकता हूं? लेकिन मैं हर धर्म में विश्वास करता हूं, ईसाई, मुस्लिम, जैन.... मैं एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति हूं, मैं मानवता में विश्वास करता हूं। वहीं उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार द्वारा विधानसभा में आरएसएस का प्रार्थना गाने के लिए माफ़ी मांगने का स्वागत करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी. के. हरिप्रसाद ने कहा कि पार्टी में किसी को भी संघ को किसी भी तरह से वैध नहीं ठहराना चाहिए। एमएलसी हरिप्रसाद ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार से माफ़ी मांगने की मांग की थी।

हरिप्रसाद ने एक सवाल के जवाब में कहा, कांग्रेस पार्टी मैंने या डी.के. शिवकुमार ने नहीं बनाई है, किसी ने इसे भविष्य के लिए बचाने के लिए हमें दिया है। अगर हममें ताकत है, तो हमें इसे बचाना होगा और आने वाली पीढ़ी को देना होगा। कोई भी स्थायी नहीं है, कोई भी 500 साल तक जीवित नहीं रहेगा। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें शिवकुमार से व्यक्तिगत रूप से कोई दिक्कत नहीं, बल्कि महात्मा गांधी की हत्या करने वाले संगठन की प्रार्थना गाने के कृत्य से है।

उन्होंने कहा, उन्हें (शिवकुमार को) पार्टी अध्यक्ष होने के नाते, ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए थीं। अगर वह उपमुख्यमंत्री के तौर पर ऐसा कहते तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होती। कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते, आरएसएस की प्रार्थना गाने की कोई जरूरत नहीं, जो कांग्रेस, संविधान और तिरंगे झंडे का विरोधी है। उन्होंने प्रार्थना क्यों पढ़ी, यह एक अलग मामला है।

भगवा गमछा पहनने पर ट्रैवल एजेंसी के कर्मचारियों पर 'हमला' करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु में भगवा वस्त्र पहनने पर ट्रैवल एजेंसी के कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने और उन पर हमला करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भगवा गमछा पहनने के कारण जिस कर्मचारी को प्रताड़ित किया गया उसकी पहचान बिहार निवासी एस. कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि झगड़ा कैमरे में भी दर्ज हो गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान तबरेज (30), इमरान खान (35) और अज़ीज खान (47) के रूप में हुई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 24 अगस्त को यहां कलसीपल्या बीएमटीसी बस स्टैंड के सामने रॉयल ट्रैवल्स कार्यालय के पास हुई। उनके मुताबिक, इस बाबत ट्रैवल एजेंसी के कर्मचारी हरिकृष्ण की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था अपनी शिकायत में हरिकृष्ण ने कहा, उन्होंने उसे (कुमार) धक्का दिया। उससे पूछा कि उसने भगवा गमछा क्यों पहना हुआ है। जब मैंने बीच-बचाव किया, तो उन्होंने मुझे गालियां दीं, मेरी कमीज़ फाड़ दी और मुझे पीटा। उन्होंने मुझसे पूछा कि मज़दूरों को भगवा गमछा पहनने की इजाज़त क्यों है और मुझे उसे उतारने का आदेश दिया और वहां से चले गए। आरोपियों को यहां की एक अदालत ने 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

धर्मस्थल मामले में एसआईटी ने कार्यकर्ता महेश शेट्टी के घर की तलाशी ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। धर्मस्थल में शवों को कथित तौर पर दफनाने के दावों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को कार्यकर्ता महेश शेट्टी के उजीरे स्थित आवास की तलाशी ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी. एल. संतोष के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में शेट्टी को पहले गिरफ्तार किया गया था, लेकिन फिलहाल वह जमानत पर रिहा है। मंगलवार को हुई तलाशी के दौरान एसआईटी अधिकारियों के साथ आरोपी सी. एन. चिनैय्या भी मौजूद था।

एसआईटी अधिकारियों के अनुसार, शेट्टी ने पिछले दो महीनों से चिनैय्या को अपने घर में पनाह दी थी। बेलथांगडी अदालत से जारी तलाशी वारंट के आधार पर टीम कार्यकर्ता के आवास से जानकारी और सबूत जुटाने की कोशिश कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस व्यापक जांच के तहत साक्ष्य एकत्र करने का कार्य जारी है। पूर्व सफाईकर्मी चिन्नैया ने दावा किया था कि उसने वर्ष 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल में कार्य किया था, और इस दौरान उसे महिलाओं व नाबालिगों समेत कई लोगों के शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। उसके इन दावों से विवाद खड़ा हो गया था, क्योंकि इनका संकेत स्थानीय मंदिर के प्रशासकों की ओर था।

भाजपा ने मंदिर को निशाना बनाए जाने का विरोध किया था। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने भी चेतावनी दी थी कि यदि शिकायत झूठी पाई गई तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंदिर के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने एसआईटी के गठन का स्वागत किया था।

खरीददारी

गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर मंगलवार को बेंगलूरु के केआर मार्केट में खरीददारी करते लोग।

जाली नोट रखने के मामले में दो वर्षों से फरार आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु पुलिस ने जाली नोट रखने के एक मामले में दो वर्षों से फरार एक वांछित अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सोमवार शाम गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान बंटवाल निवासी निजामुद्दीन उर्फ निजाम (33) के रूप में हुई है और वर्तमान में वह बजतूर मदरसे के पास वलालु में एक किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, निजाम के खिलाफ जाली नोट रखने के मामले में 2023 में मंगलूरु पूर्व थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

उसने बताया कि उसे इस मामले में अदालत से जमानत मिल गई थी, लेकिन बाद में वह लगातार सुनवाई से अनुपस्थित रहा और फरार हो गया, जिसके चलते अदालत ने उसके खिलाफ आठ बार गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे।

मंगलूरु पूर्व पुलिस थाने के अपराध विभाग और वारंट निष्पादन टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर उसे सोमवार को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और लूटपाट सहित कई गंभीर धाराओं में अन्य मामले भी दर्ज हैं।

'समुद्री उत्कृष्टता को उत्प्रेरित करना: लोग, बुनियादी ढांचा और अवसर' पर कार्यशाला-सह-रोड शो

चेन्नई। चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण ने आगामी भारत समुद्री सप्ताह (आईएमडब्ल्यू) 2025 के लिए 25 अगस्तको चेन्नई में एक कार्यशाला-सह-रोड शो का आयोजन किया, जो 27 से 31 अक्टूबर तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। इस रोड शो में 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें भारत सरकार, तमिलनाडु सरकार, प्रमुख बंदरगाहों, निजी बंदरगाहों और टर्मिनलों, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडलों, एक्जिम व्यापार, शिपिंग लाइनों, डीसीआई, सीएसएल, एससीआई, भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, शिक्षाविदों और अनुसंधान संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी/प्रतिनिधि शामिल थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के सचिव टी.के. रामचंद्रन ने अपने विशेष संबोधन में भारत को विश्व के अग्रणी समुद्री राष्ट्रों में अग्रणी बनाने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महासागर हमें

जोड़ते हैं और हाल ही में हुए अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों - महाबलिपुरम में भारत-आसियान क्रूज संवाद (30 जून और 1 जुलाई) और विशाखापत्तनम में आयोजित बिम्सटेक कार्यक्रम (14 और 15 जुलाई) का उद्देश्य पड़ोसी देशों के साथ घनिष्ठ और गहन बहुपक्षीय संबंध स्थापित करना है।

कार्यशाला-सह-रोड शो के दौरान, चेन्नई एवं कामराजर बंदरगाह के अध्यक्ष सुनील पालीवाल ने दो विषयगत क्षेत्रों - 'परियोजनाएँ, योजनाएँ एवं सार्वजनिक-निजी भागीदारी', और 'मानव संसाधन (विभागीय एवं संस्थागत)' के अंतर्गत पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय की हालिया पहलों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजनाओं के लिए आदर्श रियायत समझौतों, पर्यावरण मंजूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पहलों, नियमों एवं विनियमों के मानकीकरण, तथा सामान्य सीधी भर्ती के माध्यम से हाल ही में शुरू किए गए रोजगार अभियान के संबंध में मंत्रालय द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णयों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान, उद्योग, व्यापार, शिक्षा और अनुसंधान जैसे विभिन्न क्षेत्रों के वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए और प्रतिभागियों को आईएमडब्ल्यू 2025 में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

भारत समुद्री सप्ताह 2025 में 100 से अधिक देशों के 1,00,000 से अधिक प्रतिनिधि एक साथ आएंगे और इससे 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के अवसर पैदा होने की संभावना है। यह दुनिया के सबसे बड़े समुद्री आयोजनों में से एक है। आईएमडब्ल्यू 2025 ऐसा चौथा आयोजन है।

मैरीटाइम इंडिया समिट 2016 भारत का पहला बड़े पैमाने पर समुद्री-केंद्रित आयोजन था। इस शिखर सम्मेलन ने सागरमाला कार्यक्रम की शुरुआत का समर्थन किया और अरबों डॉलर के निवेश के समझौता ज्ञापनों को सुगम बनाया। इसमें 40 से ज़्यादा देशों के 5,000 से ज़्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मैरीटाइम इंडिया समिट 2021 महामारी के कारण वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था, लेकिन इसमें 100 से ज़्यादा देशों के 1.9 लाख लोगों ने रिकॉर्ड भागीदारी की।

मैसूरु दशहरा समारोह उद्घाटन

विवाद के बीच बानू मुश्ताक ने दशहरे के पर्व के प्रति श्रद्धा जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा-2025' समारोह का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक ने दशहरे के पर्व और देवी चामुंडेश्वरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की है। बानू ने यह श्रद्धा ऐसे समय में व्यक्त की है जब भारतीय जनता पार्टी के नेता राज्य सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं जिसमें दशहरा समारोह के उद्घाटन के लिए बानू को आमंत्रित गया है।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और मैसूरु से सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार सहित कई भाजपा नेताओं ने सोमवार को कहा था कि बानू को दशहरा का उद्घाटन करने की सहमति देने से पहले देवी चामुंडेश्वरी के प्रति अपनी श्रद्धा स्पष्ट करनी चाहिए। यह विवाद एक पुराने वीडियो से उपजा है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कन्नड़ भाषा को देवी भुवनेश्वरी' के रूप में पूजने पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि उनके (अल्पसंख्यकों) जैसे लोग इसके दायरे में नहीं आते।

दशहरे के पर्व का शुभारंभ पारंपरिक रूप से मैसूरु में चामुंडी पहाड़ियों के ऊपर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मैसूरु और उसके राजघरानों की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति की पूजा और उस पर पुष्प वर्षा करके किया जाता है।

बानू ने सोमवार को बेंगलूरु के संगठन 'अम्माना मदिलु' से बगीना (पारंपरिक भेंट) प्राप्त करने के बाद कहा, यह (दशहरा के उद्घाटन का निमंत्रण) निश्चित रूप से एक खुशी की बात है। हम इसे विभिन्न तरीकों से देख सकते हैं। आप चामुंडेश्वरी ताई (मां चामुंडेश्वरी) कहते हैं, मैं आपकी भावनाओं का सम्मान करती हूं। कई लोग इसे नाडा हब्बा (राज्य उत्सव) कहते हैं, मैं उसका भी सम्मान करती हूं। उन्होंने कहा, दशहरे को नाडा हब्बा कहना या देवी चामुंडेश्वरी को बड़े प्यार और स्नेह से ताई (मां) कहना... ये सब हमारी संस्कृति और इस राज्य का हिस्सा हैं। इसलिए यह त्योहार मुझे भी पसंद है और मैं इसका सम्मान करती हूं और मैं इसमें स्नेह से भाग लेती हूं।

बानू ने कहा, बचपन में मैं अपने माता-पिता के साथ दशहरे में 'जंबो सवारी' (विजयदशमी के जुलूस में लगभग एक दर्जन सजे-धजे हाथियों की यात्रा) देखने गई थी। इस बार मुझे दशहरे के उद्घाटन का निमंत्रण मिला है और यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। दरअसल राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक 'मैसूरु दशहरा 2025' समारोह का उद्घाटन करेंगी।

अकासा एयर की बेंगलूरु से फुकेट के लिए सीधी उड़ान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अकासा एयर ने एक अक्टूबर से बेंगलूरु और थाईलैंड के फुकेट के बीच रोजाना सीधी उड़ान शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की। विमानन कंपनी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस नये मार्ग के अलावा अकासा एयर ने हाल में मुंबई और फुकेट के बीच एक दैनिक सीधी सेवा शुरू की है।

विज्ञप्ति के अनुसार बेंगलूरु से यह उड़ान प्रतिदिन सुबह 6.25 बजे रवाना होगी और अपराह्न 12.40 बजे फुकेट पहुंचेगी। इसके अनुसार फुकेट से, दैनिक उड़ान अपराह्न 1.40 बजे रवाना होगी और शाम 4.40 बजे बेंगलूरु पहुंचेगी। अकासा एयर की वेबसाइट पर उड़ानों के लिए बुकिंग शुरू हो गई है।

समुद्र तट पर आवारा कुत्तों को खाना खिला रही महिला पर पुलिसकर्मी की टिप्पणी से विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रात्रि गश्त पर तैनात चेन्नई के एक पुलिसकर्मी ने तिरुवनमियूर समुद्र तट पर आवारा कुत्तों को खाना खिला रही एक महिला पर ''उत्पीड़न हो सकने'' संबंधी टिप्पणी करके विवाद पैदा कर दिया। पुलिसकर्मी ने कहासुनी

रिकॉर्ड करने के कारण महिला का मोबाइल फोन कथित तौर पर छीन लिया, लेकिन बाद में उसे लौटा दिया। पुलिस विभाग ने हालांकि पुलिसकर्मी के कथित अशिष्ट व्यवहार की घटना पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस तीखी बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है जिसमें पुलिसकर्मी को अपनी पहचान कार्तिक बताते सुना जा सकता है।

तिरुवनमियूर समुद्र तट पर रात्रि गश्त के दौरान कांस्टेबल ने एक महिला और उसकी चाची को आवारा कुत्तों को खाना खिलाने के लिए डांटा और उन्हें कड़े शब्दों में घर जाने के लिए कहा। हालांकि वीडियो में, महिला द्वारा पुलिसकर्मी को यह कहते सुना जा सकता है कि अगर वे समुद्र तट पर 30 से 40 आवारा कुत्तों को खाना खिलाती हैं, तो उन्हें क्या दिक्कत है।

पुलिसकर्मी ने दोनों महिलाओं को सलाह दी कि वे चार दिनों तक आवारा कुत्तों को खाना न खिलाएं और इस तरह कुत्तों को इलाके में आने से रोकें जो वहां उत्पात मचाते हैं। वहीं, महिला ने इस पर आपत्ति जताते हुए जोर देकर कहा कि देर रात आवारा कुत्तों को खाना खिलाना उसका विशेषाधिकार है। उसने यह भी कहा कि उसे फटकार लगाना उत्पीड़न के समान है। इस पर, पुलिसकर्मी ने कहा, ''अगर आप आधी रात को बाहर घूमेंगी तो उत्पीड़न हो सकता है।'' हालांकि, महिला ने पुलिसकर्मी से अपनी बात दोहराने को कहा और उसने उसे दोहराया भी। वीडियो में, महिला कह रही है, ''क्या आप पुलिस हो?'' वहीं, पुलिसकर्मी ने पूछा, ''क्या आप पब्लिक हो?'' फिर उसने महिला का मोबाइल फोन छीन लिया और उसे पुलिस थाने से लेने को कहा।

गुंडागर्दी द्रमुक की राजनीतिक संस्कृति है : अन्नामलाई

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं पार्टी की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंगलवार को आरोप लगाया कि गुंडागर्दी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) की ''राजनीतिक संस्कृति'' है। अन्नामलाई ने एक वीडियो क्लिप भी साझा की जिसमें द्रमुक का एक निर्वाचित प्रतिनिधि उस व्यक्ति पर हमला करते नजर आ रहा है जिसने अपने घर के सामने पार्टी का बैनर लगाने का विरोध किया था। अन्नामलाई ने अपने 'एक्स' हैंडल पर इस कथित हमले का 1.02 मिनट का वीडियो साझा किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, द्रमुक की गुंडागर्दी का सार्वजनिक प्रदर्शन।वार्ड के पार्षद पुरुषोत्तम और उनके गिरोह ने एक व्यक्ति पर इसलिए हमला किया क्योंकि उसने अपने घर के सामने बैनर लगाए जाने का विरोध किया था।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
आवेदन अधिसूचना सं.: 565/STBA/08-02/2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी, दक्षिण पश्चिम रेलवे, बेंगलूरु विभाग पर निम्नलिखित स्टेशनों पर स्टेशन के सामने उल्लिखित अवधि के लिए अनरिज़र्व्ड टिकेट सिस्टम (यूटीएस) के आधार पर अनारक्षित / सामान्य टिकट जारी करने का नियुक्ति के लिए कमीशन के आधार पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों (एसटीबीए) की नियुक्ति के लिए मुहरबंद आवेदन आमंत्रित करता है।

क्र. सं.	स्टेशन का नाम	स्टेशन कोड	स्टेशन वर्ग	अनुबंध का अवधि
1.	हीललिगे	एचएलई	एनएसजी-6	03 वर्ष

आवेदन जमा करने की तिथि और समय:
12.09.2025, 10:00 बजे से 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.swr.indianrailways.gov.in में
PUB/410/AAMO/PRB/SWR/2025-26 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक/बेंगलूरु
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

निशुल्क दवा योजना का लाभ 14 साल में 163 करोड़ मरीजों ने उठाया : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि उनके लिए यह बेहद संतुष्टि देने वाला है कि 2011 में कांग्रेस कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना का लाभ 14 साल में 163 करोड़ मरीजों ने उठाया है।

गहलोत ने मंगलवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह संख्या पूरे यूरोप महाद्वीप की आबादी के दोगुने से भी अधिक है जो दिखाता है कि यदि सरकार की इच्छा शक्ति हो तो कोई भी जनकल्याण का कार्य किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस योजना से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों में भी आत्मविश्वास जागा और वो इलाज के लिए आगे आने लगे। उन्होंने कहा मुझे याद है कि एक विधायक ने मुझसे कहा था कि इस योजना से लड़कियों को ज्यादा लाभ होगा क्योंकि सामाजिक तौर पर होने वाले भेदभाव के कारण कई लोग पैसे के अभाव में लड़कियों का इलाज नहीं करवाते थे। अब दवा एवं इलाज निशुल्क होने से उनकी जान बच सकेगी। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनका प्रयास आमजन के लिए जीरो कॉस्ट हेल्थ सिस्टम बनाने का रहा, इसलिए पहले निशुल्क दवा, फिर निशुल्क जांच फिर चिरंजीवी योजना के जरिये निजी एवं राजकीय चिकित्सालयों में निशुल्क इलाज शुरू किया गया। उन्होंने कहा मुझे प्रसन्नता है कि हमारी सरकार के कार्यकाल में राजस्थान का हेल्थ मॉडल पूरे देश में चर्चित रहा एवं कई दूसरी सरकारों ने इस मॉडल को अपनाया।

कार फिसलकर बरसाती नाले में गिरी, तीन की मौत

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में एक कार सड़क से फिसलकर बरसाती नाले में गिर गई जिससे कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना सोमवार देर रात खेरवाड़ा थाना क्षेत्र के लकोड़ा गांव के पास हुई। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के समय एसयूवी वाहन में पांच लोग सवार थे। उनमें से दो लोग खिड़की का शीशा तोड़कर निकलने में सफल रहे जबकि तीन अन्य की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान ध्रुव पटेल, लव पटेल और नरेश मीणा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि नरेश मीणा और ध्रुव पटेल के शव रात में ही बरामद कर लिए गए थे, जबकि लव पटेल का शव आज मिला। दुर्घटनास्थल पर विकट मोड़ है जहां भारी बारिश के कारण नाला उफान पर था। पुलिस ने बताया कि संभवत: रात में कम दृश्यता और पानी के तेज बहाव के कारण वाहन सड़क से फिसलकर नाले में गिर गया।

शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए निरंतर कार्य हो, राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बने : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कुलगुरुओं को व्यक्तिगत रुचि लेकर शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नामांकन के बाद विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, इस हेतु अच्छे ढंग से पढ़ाने, रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों से उन्हें जोड़ने आदि के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने राजस्थान को उच्च शिक्षा में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षण संस्थानों में सुधार नहीं होगा, उनके खिलाफ भी कड़े कदम उठाए जाएंगे।

राज्यपाल बागड़े ने विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के सम्बंध में मंगलवार को राजभवन में आयोजित समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति लागू करने, विश्वविद्यालयों में नैक एक्रिडिएशन की कार्यवाही पूर्ण करने, वहां उपलब्ध लैब, पुस्तकालय, खेल मैदानों और छात्रावास के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में एक समान प्रश्नपत्र और पाठ्यक्रम लागू किए जाने की व्यावहारिकता के बारे में भी सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों को पिपलांत्री पैटर्न पर विकसित किया जाए। वहां पर अच्छे फलदार और छायादार पौधे लगाने तथा उन्हें विकसित करने व प्राकृतिक खेती के लिए लोगों को प्रोत्साहित कर कार्य किया जाए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में शोध के अंतर्गत मौलिक दृष्टि रखे जाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में पेंशन, वेतनमान आदि के लिए भी राज्य सरकार स्तर पर संवाद कर सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने निजी और राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन करवाने और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता जताई।

उन्होंने कहा कि यह हमारा राष्ट्रीय दायित्व है कि हम विद्यार्थियों को देश का सुयोग्य नागरिक बनाएं। बैठक में विश्वविद्यालयों में कुलगुरुओं के कार्यकाल की अवधि तीन से पांच वर्ष किए जाने संबंधित सुझावों के साथ बैठक में सभी विश्वविद्यालयों में प्रो वाइस चांसलर बनाने, वहां पर भविष्य के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने, नवाचारो के आलोक में भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत भारत विद्या अनुसंधान केन्द्र शुरू किए जाने आदि पर भी चर्चा हुई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने प्रदेश में विश्वविद्यालयों के लिए कॉमन भर्ती बोर्ड, डिजिटल कनेक्टिविटी और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास किए जाने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जो नवाचार करें, उसे विश्वविद्यालय पोर्टल पर डाला जाए। उन्होंने राज्य सरकार से जुड़े विश्वविद्यालयी मुद्दों के जल्द निस्तारण का भी विश्वास दिलाया। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े विषयों और संबंधित कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं ने उच्च शिक्षा में नवाचार अपनाते हुए राज्य को उच्च शिक्षा में श्रेष्ठतम बनाए जाने से संबंधित सुझाव दिए। राज्यपाल बागड़े ने बैठक के बाद राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के न्यूज लेटर का लोकार्पण किया। उन्होंने जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. रोशन लाल रैना द्वारा लिखी पुस्तक का भी विमोचन किया।

शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण के खिलाफ मामला दर्ज

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के मथुरा गेट थाने में मंगलवार को पुलिस ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) संख्या-2 के आदेश पर अभिनेता शाहरुख खान, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण सहित छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह मामला हुंडई कंपनी की एक कार के विज्ञापन में उपभोक्ताओं को कथित तौर पर कार निर्माण के दौरान कमियों के बारे में जानकारी नहीं देने से जुड़ा है। इस सम्बन्ध में भरतपुर के कीर्ति सिंह की ओर से यह इस्तगासा दाखिल किया गया था। इस्तगासे में आरोप लगाया गया है कि कंपनी के अधिकारियों और कार के ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान एवं दीपिका पादुकोण ने उपभोक्ताओं को गुमराह करके कार बेचने में भूमिका निभायी। न्यायालय के आदेश पर मथुरा गेट पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश

जयपुर। राजस्थान में मानसून की बारिश का सिलसिला जारी है, जहां बीते 24 घंटे में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में बारिश का दौर फिलहाल जारी रहेगा। आईएमडी के जयपुर केंद्र अनुसार, मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी दर्ज की गई। सर्वाधिक 80 मिलीमीटर बारिश देवगढ़ (राजसमंद) में हुई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो-तीन दिन तक राज्य के कुछ हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश का सिलसिला बना रह सकता है। आईएमडी ने मंगलवार के लिए जालौर, उदयपुर और सिरोही जिलों में अति भारी बारिश को लेकर 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। वहीं अलवर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झुंझुनू, राजसमंद, बाड़मेर, बीकानेर और पाली जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

राजस्थान में किसान यूरिया एवं डीएपी खाद की कमी से परेशान

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन सरकार पर पूरी तरह फेल हो जाने का आरोप लगाते कहा है कि पूरे प्रदेश के किसान यूरिया एवं डीएपी खाद की कमी से परेशान हैं लेकिन सरकार का ध्यान इस ओर बिल्कुल नहीं है। गहलोत ने मंगलवार को अपने बयान में यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिले भरतपुर में आठ-आठ घंटे तक किसान लाइन में लग रहे हैं पर यूरिया नहीं मिल रहा है। बाकी जिलों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो भाजपा किसानों को आवश्यकता के समय बिजली, पानी, उर्वरक नहीं दे सकती है, वो चुनाव के समय किसान हितैषी होने का ढोंग करती है।

प्रदेश में विलायती बबूल का प्रभावी उन्मूलन आवश्यक : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि विलायती बबूल (प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा) को जड़ सहित हटाने के लिए अध्ययन कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी करें और इसके उन्मूलन के संबंध में ऐसे विकल्पों को तलाश करें जिससे इस दिशा में सेफ जोन में काम किया जा सके। दिलावर मंगलवार को पंचायती राज सभागार में राजस्थान में विलायती बबूल उन्मूलन के संबंध में वन विभाग, ग्रामीण विकास एवं अन्य संस्था प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विलायती बबूल के उन्मूलन के लिए क्षेत्र चिन्हित कर चरणबद्ध रूप से काम किया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल विलायती बबूल को काटना नहीं बल्कि उनकी जड़ों को पूरी तरह से खत्म करना है ताकि यह दोबारा न उगे। उन्होंने कहा कि आज हमारे सामने विलायती बबूल खतरा साबित हो रहा है।

प्रदेश में बहुतायत में उग आया विलायती बबूल अब अपने आसपास किसी अन्य वनस्पति को पनपने नहीं दे रहा है। इसलिए इसका प्रभावी उन्मूलन आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि इस पेड़ के कारण खेती की मिट्टी अनुपजाऊ बन जाती है. विलायती बबूल ने चारागाह क्षेत्र को भी नष्ट कर दिया है। इस पेड़ के कारण किसानों को पशु चरण की बड़ी समस्या से गुजरना है पड़ता है। इसके अलावा अगर एक पौधा विलायती बबूल का उग जाता है तो उसके आसपास बहुत सारे पौधे उगते हैं जो अन्य वनस्पति को विकसित नहीं होने देते हैं। उन्होंने विलायती बबूल के उन्मूलन के लिए वर्तमान में उपलब्ध वैधानिक प्रावधानों और नीतियों पर चर्चा की और कहा कि इन विलायती बबूल को हटाने का सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही है। कुछ अड़चनें है उसे दूर कर इनको भी निकालने की कोशिश करेंगे। बैठक में इससे संबंधित उत्पादों ईंधन, चारकोल, पशु आहार आदि के बारे में चर्चा की गई।

महेश जोशी की जमानत याचिका खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने पिछले चार महीने से जेल में बंद पूर्व मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायाधीश प्रवीर भटनागर की अदालत ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद आठ अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था। जल जीवन मिशन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महेश जोशी को 24 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। उसके बाद से ही वह जेल में है। ईडी मामलों के विशेष न्यायालय से जमानत खारिज होने के बाद उन्होंने उच्च न्यायालय में जमानत के लिये आवेदन किया था।

इससे पहले महेश जोशी की ओर से बहस करते हुए वरिष्ठ वकील विवेकराज बाजवा ने कहा कि याचिकाकर्ता को इस मामले में फंसाया गया है। एसीबी में दर्ज मूल प्राथमिकी में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक वर्ष पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

जमानत का विरोध करते हुए ईडी की ओर से वकील अक्षय भारद्वाज ने जमानत का विरोध करते हुए अदालत को बताया कि इस मामले में एसीबी की ओर से दर्ज अन्य प्राथमिकी में याचिकाकर्ता की भूमिका को बताया गया है। वहीं याचिकाकर्ता के बेटे की फर्म में 50 लाख रुपए का लेन-देन किया गया है।

याचिकाकर्ता की ओर से इस राशि को लौटाना भी बताया जा रहा है तो राशि लौटाने से अपराध की गंभीरता कम नहीं होती है। ईडी के वकील ने जमानत याचिका को खारिज करने का अनुरोध करते हुए कहा कि आरोपी को जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है।

पति की दीर्घायु की कामना के साथ मनाई जा रही है हरितालिका तीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले में हरितालिका तीज भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया यानी मंगलवार को मनाई जा रही है। हरितालिका तीज को तीजा के नाम से भी जाना जाता है। इसे सुहाग का पर्व भी कहते हैं। पति की लंबी उम्र और स्वास्थ्य के लिए सुहागिन निर्जल और निराहार रहकर घरों और मंदिरों में पूजा करके पति की लंबी आयु की कामना को लेकर इस पर्व को मना रही हे। आज भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जा रही है। ज्योतिषी विक्रम सोनी ने बताया कि 24 घंटे सुहागिन महिलाओ ने निर्जला व्रत रखा हैं। कहा जाता है कि हरितालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। इस तप को देखकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और माता पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। तभी से मनचाहे पति की इच्छा और लंबी आयु के लिए हरितालिका तीज का व्रत रखा जाता है।

हरितालिका तीज का धार्मिक महत्व भी बहुत गहरा है। मान्यता है कि इस दिन माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। तप देखकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और पत्नी के रूप में स्वीकार किया। तभी से यह व्रत पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है। पूजा में शामिल महिलाओं ने बताया कि यह पर्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक भी है। कविता शर्मा, जो पहली बार तीज व्रत रख रही हैं, ने कहा, यह पर्व अखंड सौभाग्य और पति के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

नवीनतम प्रौद्योगिकी के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आईटी : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'राजकिसान साथी' परियोजना को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सीआईपीएस इनोवेशन अवार्ड मिलने के बाद प्रोजेक्ट की टीम ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ से शिष्टाचार भेंट की। कर्नल राठौड़ ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की टीम को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी और विभाग को नवीनतम प्रौद्योगिकी के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहायक बनने के निर्देश दिए। कर्नल राठौड़ ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए निर्देश दिए कि भविष्य में भी सभी एप्लिकेशंस में नवीनतम तकनीकों को सम्मिलित करते हुए राज्य को आईटी के क्षेत्र में देश का मॉडल राज्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि 'राजकिसान साथी' परियोजना जैसे नवाचारों के माध्यम से न केवल किसानों को सशक्त किया जाए, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर जनकल्याणकारी योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देकर राजस्थान को देश में अग्रणी बनाना हमारा लक्ष्य है।

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने विभाग को निर्देश दिए कि आमजन तक योजनाओं की पहुंच को सरल, पारदर्शी और त्वरित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग और अधिक व्यापक स्तर पर किया जाए। उन्होंने कहा कि 'राजकिसान साथी' परियोजना का यह पुरस्कार न केवल विभाग की मेहनत और समर्पण का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि तकनीक के सही उपयोग से समाज के हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे इस उपलब्धि को प्रेरणा के रूप में लें और भविष्य में और अधिक नवाचारों के साथ राज्य के विकास में योगदान दें। इस अवसर पर 'राजकिसान साथी' की प्रभारी अधिकारी एवं सिस्टम एनालिस्ट (संयुक्त निदेशक) श्रीमती मोनिका चौधरी ने परियोजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'राजकिसान साथी' एक एकीकृत ऑनलाइन सिंगल विंडो पोर्टल है, जो 'कृषि को सरल बनाने' की अवधारणा को साकार कर रहा है। राजस्थान इस तरह का समन्वित ढांचा विकसित करने वाला देश का पहला राज्य है। उन्होंने जानकारी दी कि यह पोर्टल कृषि और संबद्ध विभागों के 120 से अधिक मॉड्यूल्स को पूरी तरह डिजिटल, कागज रहित और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराता है।

इस प्रणाली ने 1320 टन कागज की बचत, डीबीटी भुगतानों में 33 गुना वृद्धि, आवेदनों की रियल-टाइम ट्रैकिंग और डिजिटलीकरण के जरिए धोखाधड़ी में कमी जैसे उल्लेखनीय नतीजे दिए हैं। जियो-टैग्ड सत्यापन, एआई/एमएल आधारित फसल रोग प्रबंधन, ऑनलाइन लाइसेंसिंग और किसानों तक बीज मिनीकिट की डिलीवरी जैसे नवाचारों ने कृषि सेवा वितरण में दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाया है।

सनातन संस्कृति में धार्मिक मेले हमारी आस्था के प्रतीक : संजय शर्मा

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को अलवर जिले में चल रहे पाण्डुपोल मेले में भाग लिया। उन्होंने मोती डूंगरी स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि व अच्छी वर्षा की मंगलकामना की तथा थानागाजी के ग्राम निमला में डूंगरी वाले हनुमान जी महाराज के मेला कार्यक्रम में शिरकत की।

वन राज्यमंत्री ने जिलेवासियों को पाण्डुपोल हनुमान जी महाराज के मेले की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में धार्मिक मेले हमारी आस्था के प्रतीक हैं, जो समरता, भाईचारे और एकता की भावना को प्रबल करते हैं।

उन्होंने कहा कि अलवर में पर्यटन की संभावनाओं को मध्यनजर रखते हुए केंद्र व राज्य सरकार जिले के पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के उन्नयन एवं विकास हेतु प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश का न केवल चहुंमुखी विकास हो रहा है बल्कि हर वर्ग का ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बजट में मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों की भोग व सेवा राशि में वृद्धि की है।

सीमाओं पर सोची समझी साजिश के तहत जनसांख्यिकीय परिवर्तन हो रहा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन एक सोची समझी साजिश के तहत हो रहा है और वे देश और इसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करते हैं।

शाह ने सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारियों से अवैध धार्मिक अतिक्रमण को हटाने के लिए उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सीमाओं से कम से कम 30 किलोमीटर के दायरे में सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए। उन्होंने समुद्री और स्थलीय सीमाओं पर कई अतिक्रमण को हटाने में सराहनीय कार्य करने के लिए गुजरात सरकार की प्रशंसा की। यहां दो दिवसीय 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' (वीवीपी) कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वीवीपी तीन प्रमुख बिंदुओं पर आधारित है -- सीमावर्ती गांवों से पलायन को रोकना, यह सुनिश्चित करना कि सीमावर्ती गांवों के प्रत्येक नागरिक को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का 100 प्रतिशत लाभ मिले और वीवीपी के तहत गांवों को सीमा और राष्ट्रीय सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए मजबूत उपकरण के रूप में विकसित करना। शाह ने जिलाधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद नागरिक अपने गांवों को न छोड़ें, पलायन को रोका जाए और गांव की आबादी भी बढ़े। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन चिंता का विषय है। मंत्री ने कहा, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम में शामिल जिलों के कलेक्टरों को इस मुद्दे को गंभीरता से और बारीकी से ध्यान देकर समाधान करने की आवश्यकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन देश और उसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करते हैं। शाह ने कहा कि यह नहीं माना जाना चाहिए कि ऐसा भौगोलिक परिस्थितियों के कारण हो रहा है, बल्कि, यह एक सोची समझी साजिश के तहत हो रहा है। उन्होंने राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) से भी इस मुद्दे पर ध्यान देने को कहा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वीवीपी शुरू करने का एक मकसद यह भी था कि सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों) और सेना को होने वाली आपूर्ति का स्रोत स्थानीय स्तर पर हो। गृह मंत्री ने कार्यक्रम में वीवीपी 'लोगो' का अनावरण करते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बाद कई सीमावर्ती गांवों की जनसंख्या बढ़ गई है। उन्होंने कहा, यह हमारे देश के सभी सीमावर्ती गांवों के लिए एक संदेश है कि इन गांवों में लौटने की प्रवृत्ति सही दिशा में बढ़ रही है। शाह ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने वीवीपी की अवधारणा प्रस्तुत की तो यह निर्णय लिया गया कि इसे चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा।

विधायक शलभ मणि त्रिपाठी को जान से मारने की धमकी

देवरिया (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय विधायक शलभ मणि त्रिपाठी को देवरिया-गोरखपुर मार्ग पर एक रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक 'मजार' पर कथित अवैध अतिक्रमण का मुद्दा उठाने पर जान से मारने की धमकी मिली हैं। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

देवरिया सदर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) दुर्गेश कुमार सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया, मामला हमारे संज्ञान में आया है और जाँच चल रही है। विधायक के समर्थकों ने दावा किया कि ईमेल और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भेजी गई धमकियों में उन्हें कई गोली मारने की धमकी दी गई है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी इसी तरह की धमकी दी गई है। त्रिपाठी ने 25 जून को मुख्यमंत्री को दिए एक ज्ञापन में आरोप लगाया था कि मजार का अवैध रूप से बंजर भूमि, एक नाले और राष्ट्रीय राजमार्ग के एक हिस्से पर विस्तार किया गया है। उनकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को भूमि अभिलेखों का सत्यापन करने, अवैध पाए जाने पर अतिक्रमण हटाने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। त्रिपाठी ने प्रश्न उठाया था कि किसी स्वीकृत नक्शे के बिना रेलवे ओवरब्रिज के बगल में निर्माण की अनुमति कैसे दी गई?

युवा कामगारों के लिए न्यूनतम वेतन सुनिश्चित किया जाएगा : योगी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राज्य में काम कर रहे हर युवा को न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करने का ऐलान करते कहा कि इससे श्रमिकों के शोषण की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में तीन दिवसीय 'रोजगार महाकुंभ 2025' का उद्घाटन करने के बाद अपने सम्बोधन में कहा कि कंपनियों को अपने कर्मचारियों को उचित वेतन देना होगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह पहल सम्मानजनक रोजगार, नौकरी की सुरक्षा और श्रमिकों के अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बनने जा रहा है जो हर कामगार युवा को न्यूनतम वेतन की गारंटी देगा। युवाओं को अपार ऊर्जा का भंडार बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की सबसे बड़ी ताकत इसकी विशाल युवा आबादी में निहित है। उत्तर प्रदेश की प्रतिभा की अब न केवल पूरे भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी मांग है। एक समय नौकरियों के लिए बड़े पैमाने पर पलायन वाला यह राज्य आज अपनी सीमाओं के भीतर ही रोजगार के प्रचुर अवसर पैदा कर रहा है। श्रम सुधारों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हुए श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए श्रम कानूनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। रोजगार महाकुंभ को युवाओं और उद्योग के बीच एक सेतु बताते हुए, उन्होंने कहा, यह आयोजन केवल रोजगार प्रदान करने के बारे में नहीं है, बल्कि प्रशिक्षण और पाठ्यक्रमों को नई तकनीकी मांगों के अनुरूप बनाने के बारे में भी है।

दुर्गा पूजा के दौरान धुबरी में 'देखते ही गोली मारने' का आदेश जारी रहेगा : असम के मुख्यमंत्री

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि धुबरी जिले में सांप्रदायिक हिंसा के बाद 13 जून से लागू रात में 'देखते ही गोली मारने' के आदेश दुर्गा पूजा के दौरान भी जारी रहेंगे। शर्मा ने कहा कि धुबरी में सनातन धर्म के लोग अल्पसंख्यक हैं और कट्टरपंथियों से उनकी रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। कोकराझार में एक कार्यक्रम के इतर शर्मा ने कहा, देखते ही गोली मारने के आदेश वापस नहीं लिए गए हैं और जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि धुबरी में कोई अशांति या हिंसा की घटना नहीं हुई है, लेकिन दुर्गा पूजा के दौरान देखते ही गोली मारने के आदेश जारी रहेंगे। इस वर्ष यह उत्सव 28 सितंबर से दो अक्टूबर तक मनाया जाएगा। उन्होंने कहा, धुबरी में अशांति फैलाने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

मुख्यमंत्री ने 13 जून को धुबरी का दौरा किया था और घोषणा की थी कि बांग्लादेश की सीमा से लगे जिले में रात में देखते ही गोली मारने के आदेश लागू होंगे, क्योंकि एक सांप्रदायिक समूह गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश कर रहा है, जिसे सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने 10 दिन बाद फिर से जिले का दौरा किया और कहा कि 13 जून से अब तक 150 से अधिक असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 11 राज्य के बाहर के हैं। बकरीद के अगले दिन जिला मुख्यालय में हनुमान मंदिर के सामने गाय की खोपड़ी मिली। सांप्रदायिक अशांति के बीच हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के सदस्यों ने शांति और सद्भाव की अपील की।

लखनऊ में अपने स्कूल पहुंचे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, बोले-'घर लौट आया हूं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ऐतिहासिक मिशन से हाल में लौटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मंगलवार को लखनऊ स्थित अपने पुराने स्कूल पहुंचे जहां विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उनका जोरदार स्वागत किया।

बूंदाबांदी के बीच, शुक्ला अपनी पत्नी कामना और बेटे कियाश के साथ अलीगंज स्थित सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के गलियारों से गुजरे और परिसर में बिताए छात्र जीवन के पलों को याद करते हुए उन्होंने कहा, वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों से बातचीत की और स्कूल के दिनों की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, जिन शिक्षकों के सामने नाचने से मैं कभी डरता था, आज उन्हें देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। समय सचमुच बदल गया है। उनकी इस बात पर शिक्षक मुस्कुरा दिए और तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। शुक्ला ने संवाददाताओं से कहा, यह सब बहुत जाना-पहचाना सा लगता है। ये वही कक्षाएं हैं जहां मैंने कभी पढ़ाई की थी। यह एहसास बहुत खास है। ऐसा लग रहा है जैसे घर लौट आया हूं। शुभांशु शुक्ला, राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष जाने वाले दूसरे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय नागरिक बने हैं। उन्होंने 'एक्सिओम-चार' मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिनों का अभूतपूर्व अंतरिक्ष मिशन सफलतापूर्वक पूरा किया।

शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के सहारे फूलने-फलने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के सहारे फूलने-फलने का आरोप लगाया और कहा कि करोड़ों रुपए के स्कूल भर्ती घोटाले में ''कट मनी'' के तार सीधे उसके शीर्ष नेताओं से जुड़े हुए हैं।

भाजपा नेता का यह आरोप एसएससी (स्कूल सेवा आयोग) भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा तृणमूल कांग्रेस विधायक जीवन कृष्ण साहा की गिरफ्तारी के एक दिन बाद आया है। साहा को इस मामले में 2023 में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। तेरह महीने जेल में बिताने के बाद वह अप्रैल में जमानत पर रिहा हुए थे। अधिकारी ने संवाददाता सम्मेलन में, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ साहा की एक तस्वीर दिखाते हुए दावा किया कि यह 12 अगस्त को खींची गई थी। भाजपा नेता ने कहा, यह कोई पुरानी तस्वीर नहीं है। समझदार के लिए इशारा काफी है। इससे साबित होता है कि घोटाले का पैसा कहां गया। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि एक अन्य आरोपी सुजय कृष्ण भद्र उर्फ 'कालीघाटेर काकू' ने भी स्वीकार किया है कि पैसा शीर्ष नेताओं को भेजा गया था। अधिकारी ने आरोप लगाया कि साहा ने अन्य विधायकों के साथ मिलकर नौकरी के इच्छुक लोगों की सूची तैयार की, बेरोजगार युवाओं को अपनी संपत्ति, आभूषण या यहां तक कि पशुओं को बेचने के लिए मजबूर किया और फिर उससे प्राप्त धन को तृणमूल के शीर्ष नेताओं को दिया।

अधिकारी ने आरोप लगाया, पैसे एकत्र करने वाले प्रत्येक व्यक्ति ने एक या दो लाख रुपए अपने पास रख लिए और बाकी कालीघाट भेज दिए गए। यह केवल जीवन कृष्ण या पार्थ चटर्जी की बात नहीं है, पूरी टीएमसी चोरों की पार्टी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे एवं तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी कोलकाता के कालीघाट इलाके के निवासी हैं।

प्रधानमंत्री ने 'भैंस चुराने' वाला आरोप लगाया था, लेकिन उन्होंने वोट ही चुरा लिए: प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुपौल/मधुबनी (बिहार)/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा मंगलवार को अपने भाई और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुईं और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में मुख्य विपक्षी दल पर ''भैंस चुराने'' का आरोप लगाया था, लेकिन अब उन्होंने तो वोट ही चुरा लिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि जनता का विश्वास खो चुकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश भर में 'वोट चोरी' की साजिशें रच रही है।

कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा कि गरीब जनता का एक भी वोट चोरी नहीं होने दिया जाएगा। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी सुपौल से 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुईं। प्रियंका गांधी अपने भाई राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कुछ अन्य नेताओं के साथ एक खुली एसयूवी में सवार थीं। कई स्थानों पर लोग यात्रा का स्वागत करने के लिए कतारबद्ध खड़े थे। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं ने हाथ हिलाकर उत्साही भीड़ का अभिवादन किया।

प्रियंका गांधी ने मधुबनी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, मोदी जी ने लोकसभा चुनाव के समय कहा था कि कांग्रेस वाले भैंस चुरा लेंगे...भैंस तो छोड़ो, उन्होंने आपके वोट चुरा लिए। उन्होंने कहा कि वोट लोकतंत्र का सबसे कीमती अधिकार है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इन्होंने रोजगार चोरी किए हैं। उन्होंने कहा, आपके साथ हर स्तर पर चोरी हो रही है। अगर वोट चोरी हो गया तो आपकी पहचान नहीं रह जाएगी। यह आपकी नागरिकता का आधार है। प्रियंका गांधी ने कहा, आप सावधान हो जाइए। अपने अधिकार की चोरी मत होने दीजिए। उन्होंने इस सभा में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा लगाया। इससे पहले, गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, जनता का विश्वास खो चुकी भाजपा देश भर में वोट चोरी की साजिशें रच रही है।

प्रधानमंत्री से कभी उम्मीद नहीं थी कि वे हमें चोर कहेंगे : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्धमान (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर ताजा हमला बोलते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उनसे (मोदी से) कभी यह उम्मीद नहीं थी कि वे उनकी कुर्सी का अनादर करने के साथ-साथ राज्य के लोगों को 'चोर' बताकर पूरे प्रांत का अपमान करेंगे। उन्होंने यह बयान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता (मोदी) की हालिया टिप्पणियों के संदर्भ में दिया।

पूर्व बर्धमान जिले के बर्धमान शहर में लोगों के बीच सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ वितरित करने के लिए आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम में बनर्जी ने मोदी की टिप्पणी को पश्चिम बंगाल के लोगों का 'अपमान' बताया और केंद्रीय धन के आवंटन पर रोक लगाने के लिए उनकी कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे राज्य के खजाने पर 'भारी बोझ' पड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री को मेरी कुर्सी का उतना ही सम्मान करना चाहिए जितना मैं उनकी कुर्सी का करती हूं। मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि वे पश्चिम बंगाल के लोगों को 'चोर' कहेंगे। बनर्जी ने दावा किया, सच तो यह है कि उन्होंने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार की तथाकथित 'डबल इंजन' वाली भाजपा सरकारों के कामकाज पर आंखें मूंद ली हैं, जहां भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि हर बार जब चुनाव आता है तो मोदी प्रवासी पक्षी की तरह पश्चिम बंगाल आते हैं। बनर्जी ने दावा किया कि राज्य प्रशासन ने कल्याणकारी योजनाओं के लिए केंद्रीय धन के उपयोग के बारे में केंद्र सरकार के सभी प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दे दिया है।

झारखंड विधानसभा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ प्रस्ताव पारित

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में प्रस्ताव पेश किया गया। सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों द्वारा इस मुद्दे पर प्रदर्शन किए जाने के बीच संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने यह प्रस्ताव पेश किया। सदस्यों के प्रदर्शन के कारण सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। किशोर ने कहा, सदन की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए और सदन के नेता, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ परामर्श के बाद मैं 'इंडिया' गठबंधन की ओर से निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश कर रहा हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर का उद्देश्य केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाना है।

भाजपा के लोग सिर्फ 'वोट चोर' नहीं, बल्कि 'आरक्षण चोर' भी हैं: तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मधुबनी (बिहार)/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा के लोग सिर्फ ''वोट चोर'' ही नहीं, बल्कि ''आरक्षण चोर'' भी हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे यादव ने यह दावा भी किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बिहार संभल नहीं रहा है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली से बिहार की सरकार चला रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मधुबनी में सभा में कहा, भाजपा वाले वोट चोर तो हैं ही, ये आरक्षण चोर भी हैं। उन्होंने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, हमारे चाचा जी पलट गए, हाईजैक' हो गए। उनसे बिहार संभलने वाला नहीं है। दिल्ली से मोदी जी, अमित शाह जी बिहार चला रहे हैं। हमें उनकी (नीतीश) फिक्र होती है, लेकिन वह अब बिहार चलाने योग्य नहीं रह गए हैं। यादव का कहना था बिहार में भाजपा और आरएसएस सरकार चला रहे हैं। उन्होंने लोगों का आह्वान किया, आप लोगों को तय करना है। नेहरू जी, बीपी मंडल, कर्पूरी जी, अंबेडकर जी की धारा एक तरफ है। दूसरी तरफ, गोलवलकर और गोडसे की धारा है। आप लोगों को तय करना है कि कैसी सरकार चाहिए।

सिंधू और प्रणय की विश्व चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व चैंपियन पी वी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में सीधे गेम में जीत के साथ क्रमशः महिला और पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गए।

विश्व की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू शुरुआत में थोड़ी असहज नजर आई लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली और अपने आक्रामक खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए महिला एकल के अपने पहले दौर के मुकाबले में 69वीं रैंकिंग की बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा को 23-21, 21-6 से हराया। विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 47 मिनट तक चले मुकाबले में फिनलैंड के विश्व में 47वें नंबर के खिलाड़ी जोकिम ओल्डॉर्फ को 21-18, 21-15 से हराया। सिंधू का अगला मुकाबला थाईलैंड की करुणपाथेवन लेटशाना से होगा, जबकि प्रणय का सामना दूसरे वरीय एंडर्स एंटोनसेन से हो सकता है। भारत की 30 वर्षीय खिलाड़ी सिंधू को शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने कुछ गलतियां की जिसके कारण एक समय वह 0-4 से पीछे चल रही थी। नलबांटोवा ने दबाव बनाए रखते हुए 9-5 की बढ़त बना ली थी और इंटरवल तक वह 11-7 से आगे थी। ब्रेक के बाद सिंधू ने अपनी लय पकड़ी और अपने पसंदीदा क्रॉस-कोर्ट विनर सहित कई स्मैश लगाकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। बुल्गारियाई खिलाड़ी की दो गलतियों ने सिंधू को 14-12 की बढ़त दिला दी, लेकिन दोनों खिलाड़ियों के बीच अंक की अदला-बदली के कारण बढ़त में उतार-चढ़ाव आता रहा। नलबांटोवा के पास 19-20 के स्कोर पर एक गेम प्वाइंट था, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाईं। बुल्गारिया की खिलाड़ी को एक और गेम प्वाइंट मिला लेकिन वह इसे भुनाने में भी नाकाम रही। सिंधू ने इसके बाद पहले गेम प्वाइंट पर ही गेम अपने नाम कर दिया। सिंधू में दूसरे गेम में अच्छी शुरुआत की और जल्द ही 5-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद नलबांटोवा ने अंतर को 5-6 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी इंटरवल तक छह अंक से आगे थी। इसके बाद यह मैच एकतरफा हो गया क्योंकि सिंधू ने अपनी बढ़त 17-5 कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद 15 मैच प्वाइंट हासिल किए और दूसरे को भुनाकर मैच अपने नाम कर दिया।

प्रणय शुरुआत में थोड़ा पीछे हो गए, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली और क्रॉस कोर्ट स्मैश से स्कोर 8-7 कर दिया। उन्होंने फोरहैंड क्रॉस से स्कोर 10-8 किया और फिर सीधे स्मैश से दो अंकों की बढ़त बना ली। ओल्डॉर्फ ने हालांकि अच्छी वापसी करके स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। फिनलैंड के खिलाड़ी की लगातार गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को तीन गेम प्वाइंट दिला दिए। प्रणय ने दूसरे गेम प्वाइंट पर पहला गेम अपने नाम किया।

यह मेरे लिए अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर लौटने का अवसर था, अच्छा महसूस कर रहा हूं: सूर्यकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी हाल की चोट के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा कि यह ब्रेक अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले अपने 'सर्वश्रेष्ठ स्तर' पर लौटने का एक मौका था। उन्हें चोट के कारण सर्जरी करानी पड़ी और छह हफ्ते के रिहैबिलिटेशन से गुजरना पड़ा।

चौंतीस साल के सूर्यकुमार ने जून में आईपीएल के अंत में पेट के दाहिने निचले हिस्से में समस्या का पता चलने के बाद म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई थी। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया में हिस्सा लिया। सूर्यकुमार अब पूरी तरह से फिट हो गए हैं और नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप में टीम की अगुवाई करेंगे। बीसीसीआई द्वारा मंगलवार को पोस्ट किए गए एक वीडियो में सूर्यकुमार ने कहा, मैं अभी अच्छा महसूस कर रहा हूं। पांच-छह हफ्ते हो गए हैं। यह एक अच्छी प्रक्रिया है।

पिछले छह हफ्तों से अच्छी दिनचर्या है और उम्मीद है कि मैं बहुत अच्छा महसूस करूंगा। उन्होंने कहा, रिहैब के दौरान सबसे जरूरी बात यह है कि आपके आस-पास अच्छे लोग हों जो आपका अच्छी तरह से मार्गदर्शन करें और पिछले दो-तीन वर्षों में मैं जब भी मैं रिहैब में था तो मैंने यही किया। मैंने इसे अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर में वापसी करने के अवसर के रूप में देखा।

सुविचार

साहसी व्यक्ति वही है जो मुश्किलों से डरता नहीं, बल्कि उनका सामना करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे सुधरे गौवंश की हालत?

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने गाय और भारतीय समाज के बारे में जो टिप्पणी की है, उस पर चिंतन करने की जरूरत है। न्यायालय ने वध के लिए गायों को ले जाने के आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज कर सामाजिक आस्था का ध्यान रखा है। उसकी यह टिप्पणी उल्लेखनीय है कि 'गाय पूजनीय है और एक 'बड़ी आबादी वाले समूह' की आस्था को ठेस पहुंचाने वाले कृत्य शांति को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं।' न्यायालय ने माना है कि गाय हमारे देश की कृषि अर्थव्यवस्था का एक अभिन्न अंग है। प्राचीन काल में जिसके पास जितना गौधन होता था, वह उतना ही समृद्ध कहलाता था। भगवान श्रीकृष्ण का गौप्रेम तो प्रसिद्ध है। भारत में ज्यादातर लोग गौवंश का सम्मान करते हैं, लेकिन इस कड़वी हकीकत से इन्कार नहीं किया जा सकता कि आज देश में गौवंश की हालत ठीक नहीं है। गांव हो या शहर, हर कहीं बेसहारा गायें कचरे के ढेर में खाने की तलाश करती नजर आती हैं। जिस देश में गाय को माता कहा जाता है, वहां ऐसी हालत क्यों है? हाल के वर्षों में गौशालाएं खूब बनी हैं। लोग अमावस्या, मकर संक्रांति और अन्य अवसरों पर गौवंश को हरा चारा खिलाते हुए फोटो बहुत खींच रहे हैं। फिर भी गौवंश की हालत में बहुत सुधार लाने की गुंजाइश क्यों है? इसकी कई वजह हैं। गांवों में चार दशक पहले जिस घर में बछड़े का जन्म होता था, वहां बहुत खुशियां मनाई जाती थीं। वह बछड़ा बड़ा होकर बैल बनता और खेती में बहुत मददगार साबित होता था। अब बैल की जगह ट्रैक्टर ने ले ली है, इसलिए बछड़ों को आवारा छोड़ दिया जाता है। कई जगह ये बछड़े खेती को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। उनके झुंड एक ही रात में फसलों को तहस-नहस कर देते हैं।

गाय पालना घाटे का सौदा होता जा रहा है। अक्सर लोग सोशल मीडिया पर गाय की महिमा वाली पोस्ट तो शेयर कर देते हैं, लेकिन वे गाय का दूध नहीं खरीदना चाहते। कुछ लोग खरीदते भी हैं तो उस समय, जब उन्हें किसी वैद्य ने इसके सेवन का परामर्श दिया हो। एक (पूर्व) गौपालक ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके गांव में रहने वाले एक सज्जन अपने विद्यार्थियों को 'गौ शब्द के रूप' याद करवाते, गाय पर निबंध लिखवाते, उसके दिव्य गुणों पर आधारित श्लोक सुनाते थे, लेकिन गाय का दूध बहुत सस्ता लेते थे। वे यह तर्क देते हुए बाजार भाव से भी कम कीमत देते थे कि 'गाय के दूध में घी कम होता है!' पिछले एक दशक में चारे की कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। गौधन के लिए पौष्टिक आहार, दवाइयां आदि सब महंगे हो गए हैं, जबकि दूध का भाव तुलनात्मक रूप से कम मिल रहा है। ऐसे में कोई व्यक्ति गाय क्यों पालेगा? हमें गौवंश को खेती के साथ मजबूती से जोड़ने की जरूरत है। विभिन्न अध्ययनों से यह साबित हो चुका है कि फसलों में रासायनिक खाद और जहरीले कीटनाशक डालने से न केवल धरती की उर्वरता पर बुरा असर पड़ रहा है, बल्कि लोगों को गंभीर बीमारियां हो रही हैं। वहीं, कई किसानों का यह अनुभव रहा है कि गोबर, गौमूत्र आदि से बनी प्राकृतिक खाद, कीटनाशकों से उपज में बढ़ोतरी हुई है। उस धरती की फसल का स्वाद बहुत अच्छा रहा है। जिस तरह गाय का दूध खरीदा जाता है, उसी तरह गौमूत्र खरीदने की व्यवस्था होनी चाहिए। उसकी अच्छी कीमत मिलनी चाहिए। ऐसे स्थानों का निर्माण करना चाहिए, जहां बड़ी मात्रा में गौमूत्र का संग्रह कर उससे खाद और कीटनाशक बनाए जाएं। जब गाय पालने से लोगों को लाभ होगा तो गौवंश की हालत अपनेआप सुधर जाएगी।

ट्वीटर टॉक

कोटा-बूंदी में अतिवृष्टि से उपजे हालात एवं राहत व आपदा प्रबंधन कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों की मदद पूरी संवेदनशीलता से हो। क्षतिग्रस्त मकानों, फसलों व पशुधन के नुकसान का सर्वे तत्परता से हो ताकि उन्हें शीघ्र राहत मिल सके।

-ओम बिरला

विलायती बबूल एक ऐसी प्रजाति है, जो नीम, पीपल, खेजड़ी और केर जैसे स्थानीय वृक्षों को नष्ट करने के साथ-साथ भूजल का अत्यधिक दोहन कर जलस्तर को गिराती है तथा उपजाऊ भूमि को बंजर बना देती है।

-मदन दिलावर

'विकसित राजस्थान 2047' के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के क्रम में मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित 'सांसदविधायक संवाद' कार्यक्रम की अगली कड़ी में बीकानेर, श्रीगंगानगर, चूरू, सीकर और झुंझुनूं के सांसदों, विधायक प्रत्याशियों तथा जिलाध्यक्षों को संबोधित किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

आत्मबोध की शक्ति

कॉलिन विल्सन की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। आर्थिक कठिनाइयों के कारण उन्हें सोलह वर्ष की उम्र में पढ़ाई छोड़कर काम करना पड़ा। उन्होंने कुछ समय तक ऊन बनाने के कारखाने में काम किया, फिर किसी प्रयोगशाला में सहायक बन गए। पढ़ाई पूरी न कर पाने की निराशा उनके मन पर हावी होने लगी। एक दिन उन्होंने आत्महत्या करने का निर्णय लिया। वे सायनाइड खाने जा रहे थे, तभी उनके मन में एक विचार आया। उन्होंने महसूस किया कि उनके भीतर दो कॉलिन विल्सन हैं एक जो परिस्थितियों से निराश है और दूसरा जो विचारशील, समर्थ और सक्षम है। इस अनुभव ने उनके जीवन के नए द्वार खोल दिए। उन्होंने आत्महत्या का विचार त्याग दिया और अपनी प्रतिभा के विकास में जुट गए। आगे चलकर वे एक प्रसिद्ध लेखक बने और विभिन्न विषयों पर अनेक पुस्तकें लिखीं। इस घटना से हमें यह सीख मिलती है कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, पर हमें परिस्थितियों से हार नहीं माननी चाहिए।

सामयिक

गणेश हैं विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता एवं जीवंत राष्ट्रीयता के प्रतीक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं।

भारतीय संस्कृति और धर्मजगत में गणेशजी का स्थान अद्वितीय है। वे विघ्नहर्ता, बुद्धिदाता, मंगलकर्ता और उन्नत राष्ट्र-निर्माता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत उनके पूजन के बिना अधूरी मानी जाती है। उनके स्वरूप में ही गहन प्रतीकात्मकता निहित है, हाथी का विशाल मस्तक विवेक और दूरदर्शिता का प्रतीक है, छोटा मुख संयमित वाणी का द्योतक है, बड़े कान अधिक सुनने और कम बोलने की शिक्षा देते हैं, छोटा नेत्र गहराई से देखने की प्रेरणा देता है और विशाल उदर सहिष्णुता व समावेशिता का बोध कराता है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं, ऐसे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकप्रियता वाले देव का जन्मोत्सव भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को सम्पूर्ण दुनिया में उमंग एवं हर्षोल्लास से मनाया जाता है। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है।

भारतीय धर्म-दर्शन में गणेश जी 'आरंभ के देवता' हैं। वैदिक परंपरा से लेकर पुराणों और लोककथाओं तक, वे हर युग में 'मार्गदर्शक' बने रहे हैं। यही कारण है कि उन्हें सर्वोपास्य' देवता कहा गया, सभी पंथों, संप्रदायों और वर्गों के लोग उनके पूजन में समान रूप से भाग लेते हैं। गणेशजी को प्रथम लिपिकार माना जाता है उन्होंने ही देवताओं की प्रार्थना पर वेद व्यासजी द्वारा रचित महाभारत को लिपिबद्ध किया था। जैन एवं बौद्ध धर्मों में भी गणेश पूजा का विधान है। अनंतकाल से अनेक नामों से गणेश दुख, भय, चिन्ता इत्यादि विघ्न के हरणकर्ता के रूप में पूजित होकर मानवों का संताप हरते रहे हैं। गणेश जी का पूजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का माध्यम भी है।

स्वतंत्रता संग्राम के दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया। इससे गणेश चतुर्थी केवल पारिवारिक पर्व न रहकर जनजागरण और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बन गई। तिलक ने इसे सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना के मंच के रूप में स्थापित किया, जिसने भारत को स्वतंत्रता संग्राम के लिए एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्तमान काल में स्वतंत्रता की रक्षा, राष्ट्रीय चेतना, भावनात्मक एकता और अखंडता की रक्षा के लिए गणेशजी की पूजा और गणेश चतुर्थी के पर्व का उत्साहपूर्वक मनाने का अपना विशेष महत्व है। आज के समय में जब समाज विभिन्न मत-मतांतरों, भाषाओं और संस्कृतियों में बंटा दिखाई देता है, तब गणेशजी पुनः राष्ट्रीय एकता के प्रतीक बनकर सामने आते हैं। उनका स्वरूप हमें विविधता में एकता, सहिष्णुता, धैर्य और विवेकपूर्ण निर्णय की प्रेरणा देता है। गणेश जी हमें बताते हैं कि बुद्धि और करुणा का समन्वय ही प्रगति का मार्ग है। आज जब विश्व हिंसा, कट्टरता और असहिष्णुता से जूझ रहा है, तब गणेश चतुर्थी का पर्व हमें समन्वय और सहयोग का संदेश देता है। वे केवल धार्मिक आस्था के देवता ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय एकता के जीवंत प्रतीक हैं।

हिन्दुओं में गणेशजी के जन्म के विषय में अलग-अलग कथाएँ प्रचलित हैं। वराह पुराण के अनुसार स्वयं शिव ने पंच तत्त्वों को मिला कर गणेश का निर्माण बहुत तन्मयता से किया। जिससे वे अत्यंत सुन्दर और आकर्षक बने तो देवताओं में खलबली मच गयी, स्थिति को भांप कर शिव ने गणेश के पेट का आकार बढ़ा दिया और सिर को गजानन की आकृति का कर दिया ताकि उनके सौन्दर्य और आकर्षण को कम किया जा सके। शिव पुराण के अनुसार एक बार पार्वती ने अपने उबटन के मैल से एक पुतला बनाया और उसमें जीवन डाल दिया। इसके उपरांत उन्होंने इस जीवधारी पुतले को द्वार पर प्रहरी के रूप में बैठा दिया और उसे आदेश दिया कि वह किसी भी व्यक्ति को अंदर न आने दे। इसके बाद वे स्नान करने लग गई। संयोगवश कुछ ही समय बाद शिव उधर आ निकले। उनसे सर्वथा अपरिचित गणेश ने शिव को भी अंदर जाने से रोक दिया। इस पर शिव अत्यंत क्रोधित हुए और उन्होंने अपने त्रिशूल से गणेश का मस्तक काट दिया। पार्वती ने यह देखा तो वे बहुत दुखी हुईं। तब पार्वती को प्रसन्न करने के लिए शिव ने एक हाथी के बच्चे का सिर गणेश के धड़ से लगाकर उन्हें पुनर्जीवित कर दिया। तभी से गणेश, गजानन कहलाए। लेकिन बालक की आकृति से पार्वती बहुत दुखी हुई तो सभी देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद और अतुलनीय उपहार भेंट किए, उन्हें प्रथम देव के रूप में सभी अधिकार प्रदत्त किये। इंद्र ने अंकुश, वरुण ने पाश, ब्रह्मा ने अमरत्व, लक्ष्मी ने ऋद्धि-सिद्धि और सरस्वती ने समस्त विद्याएँ प्रदान कर उन्हें देवताओं में सर्वोपरि बना दिया।

ऋद्धि-सिद्धि गणेशजी की पत्नियाँ हैं। वे प्रजापति विश्वकर्ता की पुत्रियां हैं। गणेश की पूजा यदि विधिवत की जाए, तो इनकी पतिव्रता पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि भी प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-शांति-समृद्धि और संतान को निर्मल विद्या-बुद्धि देती है। सिद्धि से क्षेम' और ऋद्धि से लाभ' नाम के शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। जहां भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं तो उनकी पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि यशस्वी, वैभवशाली व प्रतिष्ठित बनाने वाली होती है। वहीं शुभ-लाभ हर सुख-सौभाग्य देने के साथ उसे स्थायी और सुरक्षित रखते हैं। जन-जन के कल्याण, धर्म के सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने एवं सुख-समृद्धि-निर्विघ्न शासन व्यवस्था स्थापित करने के कारण मानव-जाति सदा उनकी ऋणी रहेगी। आज के शासनकर्ताओं को गणेश के पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है।

गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है। दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का सामना करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा देता है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों की गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्वयं में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है तथा सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अपने उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मुख कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योतक है।

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेरांब रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप में यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश्वर रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरूप का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समूह। गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि नामों से पुकारा जाता है। इसलिए गणेश चतुर्थी मनाना केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने और राष्ट्रीय एकता को पुष्ट करने का संकल्प है।

विशेष

भगवान गणेश हर परिस्थिति में खुश रहने का देते हैं मंत्र

नंदकिशोर अग्रवाल

मोबाइल : 9945395760

आज है 'गणेश चतुर्थी' अर्थात सिद्धिविनायक भगवान गणेश का जन्मोत्सव। गणेश जी सुख- समृद्धि, रिद्धि-सिद्धि, वैभव, आनंद, ज्ञान एवं शुभता के अधिष्ठाता हैं। प्रथम लिपिकार एवं मंगलमूर्ति गणेश को कोटि-कोटि शीश नमन एवं चरण वंदना। भगवान गणेश का व्यक्तित्व एवं कृतित्व बहुआयामी एवं बहुरंगी है अर्थात बुद्धिमता, चातुर्य, युद्ध-नीति, प्रेम-भाव, सुख-दुख और न जाने और क्या? गजमुख पर उनके कान इस बात के प्रतीक हैं कि शासक जनता की बात सुनने के लिए सदैव अपने कान खुले रखे। शासक को हाथी ही की भांति शक्तिशाली एवं स्वाभिमानी होना चाहिए। मूषक गणपति का वाहन है जो चंचलता का एवं दूसरों के छिन्द्रान्वेषण प्रवृत्ति को नियंत्रित करने का प्रेरक है। रक्त वर्ण, लंबोदर, गजानन गणेश को सभी देवों में सर्व प्रथम स्थान प्राप्त है इसीलिए कोई भी शुभ कार्य करने से पहले उनकी पूजा करने का विधान है।

गणपति से हमें सबसे बड़ी सीख मिलती है कि जीवन में हमेशा खुश रहें। चाहे कैसी भी परिस्थिति क्यों न हो, प्रसन्नता की कोशिश की जानी चाहिए। गणपति बप्पा को हमेशा खुश रहने वाले देवता के

तौर पर माना जाता है। खुश रहने से बड़ा से बड़ा मुश्किल वक्त भी आसानी से निकल जाता है। यह सब धैर्य से संभव हो सकता है। भगवान गणेश के जीवन को गौर से देखें तो कभी बड़े-छोटे में भेद नहीं करते।

जितना उन्हें नंदी से प्यार है, उतना ही प्रेम वे मूषकराज से भी करते हैं। उनका यह गुण संदेश देता है कि हमारी जिंदगी में आने वाले हर व्यक्ति का बराबर सम्मान करना चाहिए। उनके बीच किसी भी तरह का बड़ा या छोटा होने का भेद नहीं करना चाहिए।

वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।।

नजरिया

बांग्लादेश में मानवाधिकार संकट

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

बांग्लादेश इन दिनों जिस दौर से गुजर रहा है, उसने लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रताओं को गहरे संकट में डाल दिया है। अवामी लीग की हालिया रिपोर्ट में जिन तथ्यों का खुलासा हुआ है, वे केवल आंतरिक राजनीति की हलचल नहीं, बल्कि एक ऐसे तंत्र का संकेत देते हैं जो नागरिक अधिकारों को दबाने और भय का वातावरण कायम करने पर आमादा है।

रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त 2024 से जुलाई 2025 के बीच 496 पत्रकार उत्पीड़न का शिकार हुए और तीन पत्रकारों ने अपनी ड्यूटी के दौरान जान गंवाई। झूठे मुकदमे, लगातार धमकियाँ और मनगढ़ंत आरोप इस बात को स्पष्ट करते हैं कि बांग्लादेश में स्वतंत्र पत्रकारिता की रीढ़ तोड़ने की सुनियोजित कोशिशें हो रही हैं। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ तब तक सार्थक है, जब तक वह सत्ता से प्रश्न पूछ सके। यदि पत्रकारों को अपराधियों की तरह अदालतों में घसीटा जाए, तो लोकतंत्र केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा। अल्पसंख्यकों पर हमलों के आंकड़े भी उतने ही चिंताजनक हैं। 2025 की पहली छमाही में 258 सांप्रदायिक हमलों की घटनाएँ दर्ज की गईं। रंगपुर जिले में हिंदू परिवारों के घर लूटे गए, जलाए गए और तबाह कर दिए गए। यह महज छिटपुट हिंसा नहीं थी, बल्कि धमकी और असुरक्षा के पैटर्न का हिस्सा थी। जब नागरिक अपनी ही मातृभूमि में असुरक्षित और विस्थापित हो जाएं, तो यह किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की असफलता का सबसे स्पष्ट प्रमाण होता है।

महिलाओं की स्थिति इस परिदृश्य को और भी जटिल बनाती है। छात्राओं और पेशेवर महिलाओं पर उनके पहनावे और विचारों के कारण हमले हुए। कट्टरपंथी सोच को चुनौती देने पर उन्हें प्रताड़ित किया गया और सड़क पर आम महिलाओं तक को उत्पीड़न और धमकियों का सामना करना पड़ा। यह सब उस मानसिकता का परिचायक है जो महिलाओं की स्वतंत्रता और गरिमा को स्वीकार करने को तैयार नहीं। ऐसी स्थिति में समाज का सांस्कृतिक और सामाजिक विकास रुक जाता है और दमघोंटू माहौल सामान्य जीवन का हिस्सा बन जाता है।

यह तर्क दिया जा सकता है कि हर राष्ट्र की अपनी राजनीतिक जटिलताएँ होती हैं, परंतु बांग्लादेश का मौजूदा संकट केवल आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं है। यह म्यांमार और अफगानिस्तान जैसी स्थितियों से मेल खाता हुआ प्रतीत होता है। म्यांमार में तख्तापलट के बाद प्रेस और अल्पसंख्यकों पर दमन हुआ और अफगानिस्तान में तालिबानी शासन ने महिलाओं की स्वतंत्रता को कुचल दिया। बांग्लादेश में आज जो पैटर्न दिख रहा है, वह इन्हीं मॉडलों की याद दिलाता है।

पाकिस्तान में भी पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं पर हमले आम हैं, किंतु बांग्लादेश में घटनाओं की व्यापकता और उनका संगठित स्वरूप कहीं अधिक चिंताजनक है। यह संकट केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक आत्मा के लिए नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए खतरा है। अल्पसंख्यकों पर हिंसा और नागरिक असुरक्षा शरणार्थी संकट को जन्म दे सकती है, जो पड़ोसी देशों को भी प्रभावित करेगा। प्रेस स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों का हनन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दक्षिण एशिया की लोकतांत्रिक छवि को गहरा आघात पहुँचाएगा।

अवामी लीग ने सही ही कहा है कि बांग्लादेशी अकेले इस लड़ाई को नहीं लड़ सकते। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह इस संकट को गंभीरता से ले। संयुक्त राष्ट्र को तत्काल फैक्ट-फाइंडिंग मिशन भेजना चाहिए ताकि हालात का स्वतंत्र आकलन हो सके। यूरोपीय संघ और अमेरिका को कूटनीतिक दबाव और मानवाधिकार उल्लंघन पर प्रतिबंध जैसी नीतियाँ अपनानी होंगी। दक्षिण एशियाई देशों को भी चुप नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे एक क्षेत्रीय संकट के रूप में उठाना चाहिए। सबसे अहम प्रश्न यह है कि क्या बांग्लादेश को इस भयावह दौर से बाहर निकालने के प्रयास किए जाएंगे या फिर दुनिया चुपचाप देखती रहेगी। लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। यह नागरिक स्वतंत्रताओं, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और महिलाओं की बराबरी की गारंटी से बनता है। यदि ये सभी छिन जाएँ, तो चुनाव भी केवल खोखला अभ्यास रह जाते हैं।

बांग्लादेश के मौजूदा हालात इस सच्चाई की याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र और मानवाधिकार कभी स्थायी रूप से सुरक्षित नहीं होते। इन्हें बचाने के लिए निरंतर प्रयास, संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है। जब भय और चुप्पी व्यवस्था बन जाएं, तो आवाज़ उठाना ही सबसे बड़ा कर्तव्य बन जाता है। आज यह कर्तव्य केवल बांग्लादेशियों का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का है। यदि दुनिया ने इस पुकार को अनसुना किया, तो यह मिसाल बन जाएगी कि दमनकारी ताकतें बिना किसी जवाबदेही के बच सकती हैं। बांग्लादेश के हालात हमें यही चेतावनी दे रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के इंटर्न डॉक्टर मंगलवार को पटना में अपने वजीफे में वृद्धि की मांग को लेकर ओपीडी हड़ताल के दौरान नारेबाजी करते हुए।

उम्मीद है चीन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में सीमा पार आतंकवाद की निंदा की जाएगी : भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत सरकार ने मंगलवार को उम्मीद जतायी कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) अगले हफ्ते चीन के तियानजिन शहर में होने वाले अपने वार्षिक शिखर सम्मेलन में सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा करेगा।

यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा से पहले आई है। मोदी 29 अगस्त से एक सितंबर तक जापान और चीन की चार दिवसीय यात्रा पर रहेंगे।

अपनी यात्रा के पहले चरण में वह प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए टोक्यो जाएंगे। दोनों प्रधानमंत्री टोक्यो के बाहर भी मिलेंगे। जापान यात्रा समाप्त करने के बाद मोदी 31 अगस्त और एक सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तियानजिन जाएंगे।

एक संयुक्त प्रेसवार्ता में विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा कि नई दिल्ली, शिखर सम्मेलन की घोषणा में आतंकवाद की कड़ी निंदा सुनिश्चित करने के लिए अन्य एससीओ सदस्य देशों और भागीदारों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा, एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसी तीन बुराइयों का मुकाबला करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ की गई थी, जो आज भी एक चुनौती बनी हुई है।

लाल ने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा एससीओ सदस्यों के लिए प्राथमिकता बनी हुई है और उन्होंने कट्टरपंथ, उग्रवाद और आतंकवाद का मुकाबला करने पर एक संयुक्त वक्तव्य का स्मरण किया जिसे 2023 में समूह की भारत की अध्यक्षता के दौरान अपनाया गया था। उन्होंने कहा, अतीत में जिन वक्तव्यों को अंतिम रूप दिया गया है, उनमें सीमा पार आतंकवाद सहित अन्य तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा की गई है, जिसमें वह संयुक्त वक्तव्य भी शामिल है जिसका मैंने उल्लेख किया है, जिसे शिखर सम्मेलन की हमारी अध्यक्षता के दौरान अंतिम रूप दिया गया था। उन्होंने कहा, जहां तक इस (आगामी) शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र का संबंध है, तो उसके मसौदे को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है। हम अन्य सदस्यों और साझेदारों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि सीमा पार आतंकवाद सहित अन्य आतंकवाद की फिर से कड़ी निंदा की जाए।

आकाश त्रिपाठी को एसईसीआई का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अंतर्गत भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड (एसईसीआई) ने आईएएस अधिकारी आकाश त्रिपाठी को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव के पद और वेतन पर अनुमोदित किया गया है। एसईसीआई की नेतृत्व संरचना के बारे में बताया गया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी इसके अध्यक्ष बने रहेंगे। यह शासन ढांचा एसईसीआई के विस्तारित पोर्टफोलियो में संस्थागत निगरानी और समर्पित कार्यकारी दिशा देता है। संतोष सारंगी ने कहा, 'एसईसीआई भारत के नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन के मूल में काम करता है। त्रिपाठी की नियुक्ति से बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन, संस्थागत समन्वय और हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और हरित ऊर्जा परियोजनाओं जैसी उभरतीं प्राथमिकताओं के लिए समर्पित नेतृत्व मिलेगा। यह दोहरी संरचना मंत्रालय की सक्षमता और जवाबदेही के लिए दृष्टिकोण को दर्शाती है।'

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम एसईसीआई भारत की राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को लागू करने के लिए नामित एजेंसी है, जिसमें सौर, पवन, हाइब्रिड, ऊर्जा भंडारण, अपतटीय पवन और हरित हाइड्रोजन परियोजनाएं शामिल हैं।

श्रद्धांजलि

उपराष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को मुंबई स्थित चैत्यभूमि में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। सांस्कृतिक मामलों और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार और विधायक अमीत साटम भी उपस्थित थे।

एक तिहाई स्कूली बच्चे निजी कोचिंग लेते हैं : सर्वेक्षण

नई दिल्ली/भाषा। देश के करीब एक तिहाई स्कूली छात्र निजी कोचिंग का सहारा लेते हैं और यह प्रवृत्ति शहरी क्षेत्रों में अधिक आम है। केंद्र द्वारा शिक्षा पर कराए गए व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (सीएमएस)में यह खुलासा हुआ है।

सर्वेक्षण के मुताबिक सरकारी स्कूल पूरे भारत में शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण अहम भूमिका निभाते हैं और अब भी विद्यालयों में नामांकित कुल छात्रों में 55.9 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकारी विद्यालयों की है। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया, ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर अधिक है, जहां दो-तिहाई (66.0 प्रतिशत) छात्र सरकारी विद्यालयों में नामांकित हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह दर 30.1 प्रतिशत है। निजी गैर-सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त) विद्यालयों में देशभर में 31.9 प्रतिशत छात्र नामांकित हैं।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 80वें दौर का हिस्सा, सीएमएस शिक्षा सर्वेक्षण, विशेष रूप से स्कूली शिक्षा में वर्तमान में नामांकित छात्रों के घरेलू खर्च पर केंद्रित था। सर्वेक्षण के दौरान कंप्यूटर-सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) का उपयोग करके पूरे भारत में 52,085 परिवारों और 57,742 छात्रों से आंकड़े एकत्रित किए गए।

सर्वेक्षण के मुताबिक करीब एक तिहाई छात्र (27.0 प्रतिशत) चालू शैक्षणिक वर्ष के दौरान निजी कोचिंग ले रहे थे या ले चुके थे। यह प्रवृत्ति ग्रामीण क्षेत्रों (25.5 प्रतिशत) की तुलना में शहरी क्षेत्रों (30.7 प्रतिशत) में अधिक आम थी। इसके अनुसार शहरी क्षेत्रों में प्रति छात्र निजी कोचिंग पर औसत वार्षिक घरेलू व्यय (3,988 रुपए) है जो ग्रामीण क्षेत्रों (1,793 रुपए) की तुलना में अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया, यह अंतर उच्च कक्षाओं के साथ बढ़ता जाता है। शहरी क्षेत्र में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर निजी कोचिंग पर औसतन 9,950 रुपए खर्च किए जाते हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह औसतन 4,548 रुपए है। राष्ट्रीय स्तर पर कक्षाओं के साथ कोचिंग का खर्च भी बढ़ता है और पूर्व प्राथमिक में जहां औसतन 525 रुपए खर्च होते हैं, वह उच्चतम माध्यमिक कक्षाओं में बढ़कर 6,384 हो जाते हैं।

सर्वेक्षण के मुताबिक भारत में स्कूली शिक्षा पर खर्च करने वाले छात्रों में से 95 प्रतिशत ने बताया कि उनके वित्तपोषण का पहला प्रमुख स्रोत परिवार के अन्य सदस्य हैं। यह प्रवृत्ति ग्रामीण (95.3 प्रतिशत) और शहरी (94.4 प्रतिशत) दोनों क्षेत्रों में समान रूप से देखी गई। भारत में, 1.2 प्रतिशत छात्रों ने बताया कि सरकारी छात्रवृत्तियां उनकी स्कूली शिक्षा के लिए वित्तपोषण का पहला प्रमुख स्रोत है।

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'जुगनुमा' जल्द होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार मनोज बाजपेयी की नई फिल्म 'जुगनुमा' की रिलीज डेट फाइनल हो गई है। यह 12 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने एक पोस्टर जारी कर इसकी जानकारी फैंस को दी है। 'जुगनुमा' को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस फिल्म को खूब सराहा गया है।

अब इसे भारत में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का एक पोस्टर तरण आदर्श ने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, मनोज बाजपेयी की फिल्म 12 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तारीफ बटोरने के बाद अब ये भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड विजेता राम रेड्डी ने डायरेक्ट किया है। उन्हें कन्नड़ फिल्म थिथि के लिए ये अवॉर्ड मिला था। इसके पोस्टर में मनोज बाजपेयी अपनी ऑनस्क्रीन फैमिली के साथ दिखाई दे रहे हैं। इसमें एक बच्चा उनके कंधों पर बैठा है और सभी किसी बात का जश्न मनाते दिख रहे हैं।

इस फिल्म की कहानी 1980 के दशक की है। इसमें जुगनू महादेव (मनोज बाजपेयी) रहस्यमयी तरीके से जल रहे जंगलों के बारे में पता लगाते हैं। इसमें मनोज बाजपेयी के साथ दीपक डोबरियाल, प्रियंका बोस, तिलोत्तमा शोम, हीरल सिद्धू और अवन पुकोट भी अहम किरदार निभा रहे हैं। गुनीत मोंगा और अनुराग कश्यप इस फिल्म के एग्जिक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इसके डायलॉग वरुण ग्रोवर ने लिखे हैं। फिल्म को मैक्स मीडिया, सिख्या एंटरटेनमेंट और पर्सपेक्टिव प्रोडक्शन ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के साथ ही मनोज बाजपेयी के पास फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंडे' भी है। यह फिल्म 5 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इसमें मनोज बाजपेयी एक बार फिर से इंस्पेक्टर की भूमिका में दिखाई देंगे।

चिन्मय डी. मांडलेकर के निर्देशन में बनी फिल्म में मनोज बाजपेयी और जिम सर्भ के साथ भालचंद्र कदम, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और हरीश दुधाडे जैसे एक्टर्स भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कुछ दिनों पहले ही इसका पोस्टर जारी कर इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया गया था।

'वैन एंड वेयर' पर थिरकीं शहनाज

मुंबई/एजेन्सी

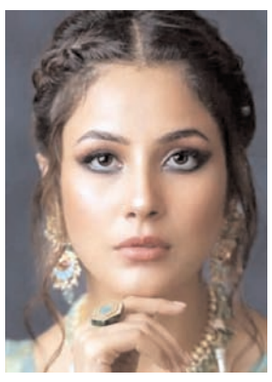

पंजाब की 'कटरीना कैफ' और बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट शहनाज गिल सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। इस बीच, वे सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह गाना 'वैन एंड वेयर' में शानदार एक्सप्रेशन के साथ डांस करती नजर आ रही हैं।

शहनाज ब्लैक टॉप और जींस के साथ बोल्ड अंदाज में मूव्स भी दे रही है। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, दस तैनू किथ्थे मिलना... किद्दा मिलना? 'वैन एंड वेयर' बता दें, यह गाना अभिनेत्री की अपकमिंग फिल्म 'इक्क कुड़ी' का है, जिसमें हनी सिंह ने अपनी आवाज दी है। इसके लिरिक्स जिंद माही ने दिए हैं। कोरियोग्राफर रजित देव ने किया है।

गाने में अभिनेत्री शहनाज गिल के साथ हनी सिंह भी नजर आ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर हनी सिंह और शहनाज ने इस गाने की झलक अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की थी। इस गाने में दोनों की हॉट केमिस्ट्री दिख रही है, जहां शहनाज का जमैका लुक है और हनी का अपना सिग्नेचर स्वैग है। अभिनेत्री ने गाने को पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, इक्क कुड़ी', ये डांस अब पूरी तरह से आपका है...जितनी हो सके उतनी रील्स बनाएं और मुझे भेजें! हमारी फिल्म 'इक्क कुड़ी' 19 सितंबर को रिलीज हो रही है। जबरदस्त गाना 'व्हेन एंड व्हेयर'... अभी रिलीज हुआ है।

अमरजीत सिंह सरोन द्वारा निर्देशित और लिखित, यह फिल्म शहनाज गिल की बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। यह एक पंजाबी महिला-सेंट्रिक फिल्म है; फिल्म की कहानी एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी की चुनौतियों और सामाजिक मुश्किलों से जूझती है। इस फिल्म में शहनाज के अलावा निर्मल ऋषि, हर्बी संघा और उदयबीर संधू भी अहम किरदार में नजर आएंगे। पहले यह फिल्म 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को बदलकर अब 19 सितंबर कर दिया है।

शुभारंभ

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बांसुरी स्वराज मंगलवार को नई दिल्ली के लोदी एस्टेट स्थित एसपीवी में सरदार पटेल विद्यालय (एसपीवी) के छात्रों के लिए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के सहयोग से इलेक्ट्रिक बसों का शुभारंभ करते हुए।

जयपुर पहुंचीं मन्नारा चोपड़ा, बताया 'सा रे गा मा' का क्या है उनके लिए मतलब

मुंबई/एजेन्सी

'बिग बॉस' फेम मन्नारा चोपड़ा कुछ दिनों पहले अपनी नानी के घर अंबाला गई थीं। इन दिनों वो जयपुर में हैं और अपनी फैमिली के साथ छुट्टियां मना रही हैं। इसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। एक प्यारी सी पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने बताया कि इस ट्रिप की पूरी योजना पेरिस से आए उनके दो कजिन्स ने की थी। पोस्ट को शेयर करते हुए मन्नारा चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मिलिए मेरे कजिन्स से जो मेरी नानी की तरफ से हैं। हम सब जयपुर में यादें संजो रहे हैं। उन्होंने अपनी नानी के घर की तस्वीरों के साथ ही कुछ यादें भी शेयर की हैं। इसमें उन्होंने नानी के घर के अलावा अंबाला कैंट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर की हैं। अंकुर और आयुषी को धन्यवाद, पेरिस से भारत आने के लिए और इस ट्रिप की प्लानिंग करने के लिए। इस पोस्ट में उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है। यहां इसमें वो अपने कजिन्स से मिलवाते हुए बता रही हैं कि उनके लिए 'सा रे गा मा' का मतलब क्या है। मन्नारा ने मौसेरे और ममेरे भाई बहनों को सा, रे, गा बताया तो चौथे सुर 'मा' को अपनी मां से जोड़ा। उन्होंने कहा क्योंकि मां तो हमेशा साथ रहती हैं। तस्वीरों में मन्नारा चोपड़ा जयपुर के दर्शनीय स्थलों में घूमती दिखाई दे रही हैं। जल महल से लेकर हवा महल तक को निहारती देखी जा सकती हैं। एक फोटो में वो राजस्थानी थाली का भी लुत्फ उठाती दिखीं। कुछ दिनों पहले उन्होंने अंबाला ट्रिप की भी तस्वीरें फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं। उन्होंने पोस्ट में बताया था कि नानी के घर जाने पर उन्हें बहुत ही खास फील होता था। बचपन में जब भी वो वहां जाती थीं तो दोपहर में खूब सोती थीं, खेलती थीं, और घर के बने खाने और अचार का लुत्फ उठाती थीं। मन्नारा ने बताया कि यहां के मौसमी फल और सब्जियां जीवन में रंग भर देती हैं।

नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक का पंजाबी फिल्म और टीवी पर राज

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में आज कई ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक ऐसे ही दो नाम हैं जो पंजाबी सिनेमा और टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखते हैं। दोनों ने अपने अभिनय के दम पर पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री को मजबूती दी है और साथ ही दर्शकों का मनोरंजन भी किया है। पंजाबी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने में इन दोनों का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। जहां नीरू बाजवा को पंजाबी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिना जाता है, वहीं रुबीना दिलैक ने टीवी और फिल्मों दोनों में अपनी छाप छोड़ी है। दोनों कलाकारों ने न केवल पंजाबी फिल्मों में काम किया, बल्कि टेलीविजन पर भी अपनी अच्छी-खासी मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी फिल्मों और सीरियल्स ने पंजाब की संस्कृति, लोगों के जीवन और पारिवारिक रिश्तों को खूबसूरती से पेश किया है। इसी वजह से वे पंजाबी सिनेमा और टीवी की जानी-मानी हस्तियां बन चुकी हैं।

नीरू बाजवा का जन्म 26 अगस्त 1980 को कनाडा के सरे शहर में हुआ था। वह एक भारतीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत 1998 में हिंदी फिल्म 'मैं सोलह बरस की' से की थी, लेकिन बाद में उन्होंने पंजाबी फिल्मों में ज्यादा काम किया और वहां उन्हें काफी सफलता मिली। नीरू की पंजाबी फिल्मों में 'जट्ट एंड जूलियट', 'सरदार जी', 'लौंग लाची', 'शादा' जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं। उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी

खास जगह बनाई और तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार भी जीता। पंजाबी फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला।

नीरू ने सिर्फ अभिनय ही नहीं किया, बल्कि पंजाबी फिल्मों के निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमाया है। 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'सरगी' का निर्देशन किया, जो उनकी बहन रुबीना बाजवा की शानदार फिल्म थी। नीरू का योगदान सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, उन्होंने हॉलीवुड की अलौकिक थ्रिलर फिल्म 'इट लिव्स इनसाइड' (2023) के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छवि बनाई। नीरू बाजवा ने टीवी में भी काम किया, जिसमें 'अस्तित्व...एक प्रेम कहानी', 'जीत', 'बंदूकें गुलाब', और 'हरी मिर्ची लाल मिर्ची' जैसे सीरियल शामिल हैं। वह हाल ही में रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में भी नजर आईं।

रुबीना दिलैक की बात करें, तो उनका जन्म 26 नवंबर 1989 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में हुआ। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद मॉडलिंग और अभिनय की ओर रुख किया। रुबीना ने टीवी इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की, लेकिन पंजाबी फिल्मों में अपनी पहचान बनाई।

टीवी सीरियल 'छोटी बहू' में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया। इसमें उन्होंने राधिका नाम की लड़की का किरदार निभाया, जो घर-घर में मशहूर हुआ। इसके बाद वह 'सास बिना ससुराल', 'शक्ति-अस्तित्व के एहसास की', 'पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद', 'देवों के देव...महादेव', 'जीनी और जूजू' जैसी सीरियल्स में नजर आईं।

उन्होंने 'बिग बॉस 14', 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 12', और 'झलक दिखला जा 10' सहित कई रियलिटी शो किए। वह 'बिग बॉस 14' की विजेता भी रहीं। उन्होंने 'चल भज्ज चलें' जैसी पंजाबी फिल्मों में काम किया। रुबीना ने कई पुरस्कारों के लिए नामांकन हासिल किए और कई बार जीत भी हासिल की है। टीवी और फिल्मों दोनों में उनकी लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक की मेहनत और लगन ने पंजाबी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को मजबूती दी है। दोनों पंजाबी सिनेमा और टीवी की चमकती हुई हस्तियां हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 27-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में सर्वप्रथम अंतर्गत दशा अंतगड दशा सूत्र का वांचन लोकेश मुनि ने किया।

तीर्थंकरों के मार्ग पर चलकर आत्मा का उद्धार संभव है : आचार्य अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर, माधवनगर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य अरिहंतसागरसुरीश्वरजी ने कहा कि

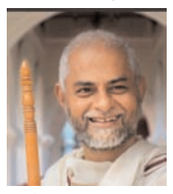

आर्य सामाजिक व्यवस्था के संस्थापक थे भगवान ऋषभदेव। उन्होंने 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ स्वामी, 22वें तीर्थंकर श्री नेमिनाथ स्वामी और प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन चरित्र का प्रेरणादायी वर्णन किया। आचार्यश्री ने कहा कि जैन धर्म की एक विशिष्टता यह है कि वह जगत और जीव के अस्तित्व को अनादि-अनंत मानता है। समय-समय पर ऐसी महान आत्माएँ प्रकट होती रही हैं जिन्होंने साधना के बल से तीर्थंकर पद प्राप्त किया है। अब तक अनंत तीर्थंकर हो चुके हैं, वर्तमान में बीस तीर्थंकर जगत में विचरण कर रहे हैं और भविष्य में भी अनगिनत तीर्थंकर उत्पन्न होते रहेंगे। सभी तीर्थंकरों ने मोक्षमार्ग का एक ही स्वरूप प्रतिपादित किया है और वह है तत्वों का सही बोध, उन पर अटूट श्रद्धा, त्याज्य का त्याग और आचरण योग्य का स्वीकार। इसी मार्ग पर चलकर आत्मा का उद्धार संभव है। किसी भी तीर्थंकर ने नया मत प्रस्तुत नहीं किया, अपितु सभी ने समान रूप से मुक्ति का एकमात्र राजमार्ग ही दर्शाया है।ङ्कआचार्यश्री ने महावीर प्रभु को लेकर प्रचलित भ्रांतियों का निराकरण भी किया। उन्होंने कहा कि महावीर प्रभु ने कोई क्रांतिकारी परिवर्तन नहीं किया था, बल्कि अनंत तीर्थंकरों द्वारा प्रतिपादित परंपरा का ही पुनः उद्घोष किया। स्त्रियों को मोक्ष का अधिकार, पाँच महाव्रतों का पालन और वर्ण-भेद से परे समता का मार्ग-ये सिद्धांत अनादिकाल से चले आ रहे हैं। भगवान ऋषभदेव स्वामी को आर्य सामाजिक व्यवस्था का संस्थापक बताते हुए आचार्यश्री ने कहा कि उन्होंने गृहस्थ अवस्था में रहकर समाज को कृषि, शिल्प, कला और आजीविका के साधन सिखाए। दोपहर के प्रवचन में महावीर प्रभु के शासन में उत्पन्न महान महापुरुषों-आराधक, प्रभावक एवं रक्षक आचार्यों के जीवन प्रसंगों का वाचन-श्रवण हुआ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु के सदस्यों ने रविवार को 'आनंद सबके लिए' के अंतर्गत खुशियों की थाली अभियान के तहत मैसूर बैंक सर्कल के पास 1000 से अधिक जरूरतमंदों को अन्नदान किया गया। शाखा के अध्यक्ष गोपाल कुमार अग्रवाल ने सदस्यों को धन्यवाद दिया। निखिल अग्रवाल, नितिन माहेश्वरी के सौजन्य से रूपेश केडिया के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में मंच के उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, सचिव सन्नी जैन, तनुज टेकरीवाल, मनीष अग्रवाल, कुश अग्रवाल, प्रियंशु जैन आदि ने अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

परमात्मा के करीब जाना है तो सरल बनें : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में सर्वप्रथम अंतर्गत दशा अंतगड दशा सूत्र का वांचन लोकेश मुनि ने किया। उन्होंने कहा कि प्रभु की वाणी बहुत कल्याणकारी होती है। आगम में कहा गया है कि बूढ़े ही नहीं, बल्कि बच्चे भी दीक्षा ले सकते हैं। दीक्षा लेकर शासन की प्रभावना कर सकते हैं। यह सभी संगत का ही असर होता है। जैसा मनुष्य को संगत मिलता है वैसा ही उसका जीवन बन जाता है। सत्संग से ही मनुष्य को सुख मिलता है। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि दीपक से ही दीपक जलता है। कपड़े को जैसा रंग मिले, मानव को जैसा संग मिले, बस उसी ढंग में कपड़ा और मानव ढल जाता है।

इसलिए कहते हैं कि अच्छा आचरण चाहिए तो सत्संग सुनें। सत्संग से हैवान भी भगवान बन सकता है। सत्संग में प्रभु की वाणी सुनने का अवसर मिलता है। वाणी सुनने से मनुष्य का आचरण पूरी तरह से बदल जाता है। शरीर छूटने के बाद संसार छूट जाता है। जब तक शरीर में जान है, तब तक संसार है। जान गई तो संसार भी गया। लेकिन उसके बावजूद मनुष्य संसार की मोह माया में लगा हुआ है। मनुष्य अपनी आत्मा नहीं बल्कि शरीर को संवारने में लगा है। मनुष्य सुख के समय भगवान को कभी याद नहीं करता है, लेकिन दुख आते ही भगवान भगवान करने लगता है । बच्चों की तहर सीधे और सरल रास्ते से ही भगवान के करीब पहुंचा जा सकता है। यलहंका संघ में तपस्या जोरों से चल रही है। अनेक तपस्वियों ने विभिन्न तपस्याओं के पच्चखाण किए। सभी अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

अर्हताओं को प्राप्त करना है ध्यान : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में मंगलवार को पर्युषण पर्व के सातवें दिन को ध्यान दिवस के रूप में मनाया गया।

साध्वीश्री ने अपने मंगल उद्बोधन में भगवान महावीर के भवों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 27वें नंदन मुनि के भव में उन्होंने तीर्थंकर नामकर्म का उपार्जन किया। ध्यान द्वारा व्यक्ति अपने जीवन में अनेक सिद्धियों को प्रात कर सकता है, यह आत्मजागरण की प्रकिया है। ध्यान के द्वारा जीवन में अनेक उपलब्धियां अर्जित की जा सकती हैं।ध्यान भगवान महावीर की साधना का प्रमुख ध्येय था। साध्वी बोधिप्रभाजी ने पर्युषण महापर्व की प्रेरणा देते हुए ध्यान के महत्व को प्रतिपादित किया।साध्वीश्री ने अनेक तपस्वियों को विभिन्न तपस्याओं का प्रत्याख्यान करवाया। कार्यक्रम का मंगलाचरण हनुमंतनगर महिला मण्डल द्वारा किया गया। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बाँठिया, तेयुप के मंत्री संदीप बैद, महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू बोथरा, मंत्री वंदना भंसाली व विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं श्रावक-श्राविकाओं की अच्छी संख्या में उपस्थिति थी।

सभा द्वारा हनुमंतनगर की ज्ञानशाला प्रशिक्षिका मंजू दक को ज्ञानशाला प्रकोष्ठ से अखिल भारतीय स्तर पर श्रेष्ठ प्रशिक्षिका से सम्मानित किए जाने पर शुभकामनाएं दी गई।

जिन शासन के 17 महापुरुषों के जीवन पर आधारित ग्रंथ का हुआ लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन संघ, शंकरपुरम में मंगलवार को साध्वी धर्मरुचिताश्रीजी द्वारा लिखित जिनशासन के 17 महापुरुषों की जीवनगाथाओं पर आधारित एक महत्वपूर्ण ग्रंथ 'ने 'बहुश्रुतपूजा उत्तराध्ययन, एक सभर संस्मरण' का विधिवत विमोचन किया गया। इस ग्रंथ में जिन शासन के महाज्ञानी एवं बहुश्रुतधरों का स्वरूप 16 उपमाओं द्वारा प्रतिपादित किया गया है। यह कृति साध्वीश्री के छह वर्षों से अधिक समय तक चले सतत अध्ययन, सैकड़ों प्राचीन शास्त्रीय संदर्भों और गंभीर शोध का परिणाम है। पुस्तक में 2500 वर्षों की परंपरा में उत्पन्न 17 महापुरुषों की जीवन यात्रा का सचित्र और सारगर्भित वर्णन प्रस्तुत किया गया है। ग्रंथ का विमोचन संघ के प्रमुख पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

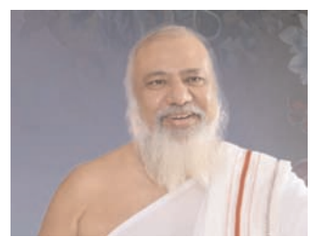

तप से निर्जरा और संवर दोनों होते हैं : आचार्य प्रभाकरसूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने पर्युषण पर्व के सातवें दिन मंगलवार को आचार्यश्री ने कहा कि तप से निर्जरा और संवर दोनों होते हैं। तप रसायन है शुद्धि का। जिस तरह अग्नि में तपाकर स्वर्ण का शोधन किया जाता है, उसी प्रकार तप में लीन आत्मा कर्मकालिमा से रहित कुंदन सी दमकने लगती है। तप का वर्ण अग्नि माना गया है। अग्नि उर्ध्वगामी रहती है, अत: तपस्वी का जीवन भी उर्ध्वगामी ही रहता है। तप से परिपक्वता आती है। कड़ाही में डाला गया घी, तेल जब तक गरम नहीं होता तब तक पकवान तैयार नहीं हो सकता। फलों को यदि पर्याप्त धूप न मिले तो उनमें मिठास नहीं आ सकती। तप की महिमा तो इतनी है कि वह पतित को पावन परमात्मा भी बना देता है, तप की महिमा अवर्णनीय है। उत्तम तप धर्म का अर्थ केवल कठिन साधना या तपस्या ही नहीं होता है, बल्कि स्वयं द्वारा देव, शास्त्र और गुरु की सेवा एवं सच्ची भक्ति करना भी तप धर्म ही कहलाता है। तप का मतलब है इच्छाओं का निरोध करना।

संवत्सरी महापर्व के उपलक्ष्य में हम सभी अपनी भूलों के लिए आप सभी से क्षमा चाहते हैं। यदि हमने जाने-अनजाने आपके मन को ठेस पहुंचाई हो या ठेस पहुंचाने का भाव भी मन में आया हो तो आज हम मन, वचन और काया से आपसे क्षमा मांगते हैं।

हमारे श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ, मागड़ी रोड, बेंगलूरु में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री धर्मसूरी समुदाय की साध्वीश्री मयूरयशाश्रीजी, हिंकारयशाश्रीजी व चैतन्ययशाश्रीजी आदि ठाणा के चरणों में कोटिश नमन वंदन एवं यशस्वी चातुर्मास काल के लिए मंगलकामनाएं।

संघ के तत्वावधान में साध्वी भगवंतों की निश्रा में व अत्र बेंगलूरु में हुई मासखमण,अट्ठाई तप व अन्य तपस्वियों के तप की अनुमोदना व उनकी सुख साता पूछते हुए मंगल कामना करते हैं।

क्षमायाचना सहित : समस्त पदाधिकारी व ट्रस्टीगण

श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ, मागड़ी रोड, बेंगलूरु

सम्पूर्ण भारतवर्ष व बेंगलूरु में विराजित सभी साधु साध्वियों से मिच्छामी दुक्कड़म

सम्पूर्ण भारतवर्ष व बेंगलूरु में विराजित सभी साधु साध्वियों के श्रीचरणों में पर्युषण महापर्व पर कोटिश नमन एवं सभी के ऐतिहासिक चातुर्मास की कामना।

संवत्सरी के महान पर्व पर जाने अनजाने प्रमादवश हमारी किसी भी भूल, ऋटि व आशतनाओं के लिए अंतकरण से क्षमायाचना व मिच्छामि दुक्कडम् करते हैं।

बेंगलूरु व कर्नाटक में चातुर्मासार्थ विराजित समस्त चारित्र आत्माओं को शत शत वंदन नमन।

श्रीमती मैनाबाई-श्री मोहनलालजी मुथा

शुभकामनाओं सहित

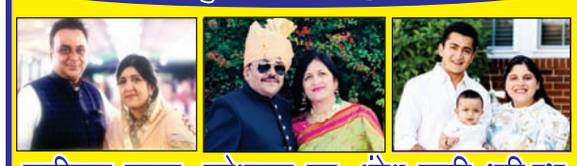

महावीरचन्द-कल्पना , राजेशकुमार-उषा, शंकेश-जागृति, ध्वनि मुथा

एवं समस्त वेदमुथा परिजन, शांतिनगर, बेंगलूरु (मरुधर में बगडी)

विश्व शांति और समृद्धि के लिए करे गोसेवा, ले संकल्प

The Bangalore Cafe
(Unit of Silverland Hospitality Pvt. Ltd
No 04, K. H. Road, Double Road
Bengalure - 560027

MOHANLAL MAHAVEERCHAND
RAJESH KUMAR MUTHA
UUSHA TRADING COMPANY
MOMPAASONS LLP
'Tarunshree', 548/1,
Basappa Road, Shantinagar
Bengaluru - 560027
Ph : 080-41140050

पयुर्षण महान पर्व पर सकल संघ से मिच्छामि दुक्कड़म्

वरिष्ठ मार्गदर्शक : दलपतराज बाफना

- चम्पालाल गादिया - अध्यक्ष
- महावीर मेहता - मंत्री
- नीतेश सतावत - सहमंत्री

-दिनेश तातेड. -महावीर ताल -सुरेश राठौड.
-विमल चौहान -मुकेश वाणीगोता -उत्तमचन्द
-सुरेश कुमार -रवि मकरानी -दिनेश चौहान
-जेठमल कोठारी -राजू मकरानी -वसंतकुमार
-ललित श्रीश्रीमाल -हेमन्त चौहान -श्यामलाल बीकानेर
- दिनेश बाफना -हितेश बालर -पूजा लुणिया
- सूर्यांश -संयम -कौशिक लुणिया
- पंकज सोनीगरा

समस्त पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं सदस्यगण

श्री सीमंधर स्वामी राजेन्द्र सूरी जैन आरती मंडल, एस वी लेन, मामुलपेट, बंगलौर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बाबा रामदेव की भजन संध्या में उमड़े श्रद्धालु

बेंगलूरु। शहर के बाबा रामदेव युवा मित्र मंडल की ओर से भादवा सुदी दूज के अवसर पर सोमवार को राजाजीनगर स्थित शंकरा सेवा समिति के कृष्णा सदन में भजन संध्या का आयोजन किया गया। रात्रि 8 बजे से आरंभ हुए जागरण में भजन मंडलियों ने बाबा रामदेव जी के भजनों की प्रस्तुति दी। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में भक्ति, एकता और आपसी सद्भाव का संदेश देते हैं। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

ध्यान गहराई में जाने की प्रेरणा देता है : साध्वी सोमयशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मेवाड़ भवन में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में मंगलवार को ध्यान दिवस का आयोजन किया गया। साध्वीश्री सोमयशाजी ने भगवान महावीर के 26 भवों की व्याख्या की। साध्वी डॉ सरलयशाजी ने कहा कि ध्यान गहराई में जाने की प्रेरणा देता है। संचालन करते हुए साध्वीश्री ऋषिप्रभा ने तपस्वियों की अनुमोदना में गीत का संगान किया। मंगलाचरण हितेश दक ने किया। स्वागत उपाध्यक्ष ताराचंद गन्ना ने किया। दीपा डुंगरवाल ने प्रेक्षाध्यान का प्रयोग करवाया। प्रकाश बाबेल, गौतम मुथा, पवन मांडोत आदि ने तपस्वियों के तप की अनुमोदना की। सभा द्वारा चातुर्मासिक प्रायोजक मदन कैलाश रमेश बोराणा परिवार, गुरुदेव दर्शन यात्रा संघ प्रायोजक नवरतन, नितिन दक परिवार, राकेश, धर्मेश डुंगरवाल परिवार, हगामीलाल, किरणकुमार बरड़िया परिवार, पर्युषण पारणा प्रायोजक बाबूलाल, दिनेश गन्ना परिवार का सम्मान किया गया।

क्षमा वीरस्य भूषणम्

संवत्सरी महापर्व के उपलक्ष्य में हम सभी अपनी भूलों के लिए आप सभी से क्षमा चाहते हैं । यदि हमने जाने-अनजाने आपके मन को ठेस पहुंचाई हो या ठेस पहुंचाने का भाव भी मन में आया हो तो आज हम मन, वचन और काया से आपसे क्षमा मांगते हैं।

क्षमाप्रार्थी

तारामणि, प्रेमलता-गुलाबचंद,
डॉ नीलेश-स्वीटी, निशांत-खुशबू, प्रशांत-विनिता,
नीति, मिति, नींव, अविशा, आर्यव एवं पगारिया परिवार
निशा-सचिनजी बाफना, प्रेरणा-संजयजी दरड़ा,
प्रणिता-मोहितजी मरलेचा, श्रेष्ठा, सक्षम दरड़ा, युवांश, जिया मरलेचा

प्रतिष्ठान: प्रेम इन्वेस्टमेन्टस्

गोकुल टावर, नं. 19/1, छठवां मैन, गांधीनगर,
बंगलौर-560 009 फोन : 22252225 फोन : 94483 62510

बसवनगुड़ी दादावाड़ी में सौ से अधिक अट्ठाई तप के हुए प्रत्याख्यान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में चातुर्मास हेतु विराजित मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी हर्षपूर्णाश्री जी की निश्रा में सौ से अधिक बच्चों, पुरुषों, महिला तपस्वियों ने अट्ठाई तप और उससे अधिक उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने सभी तपस्वियों को शुभकामनाएं दी। मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि जिस तरह सोना आग में तप कर चमकने लग जाता है, उसी प्रकार तपस्या से आत्मा पर लगे हुए कर्मों का मेल जलकर आत्मा पवित्र और हल्की हो जाती है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि तपस्वियों के सम्मान में शोभायात्रा निकाली गई। दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से सभी तपस्वियों का सम्मान किया गया। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि परमात्मा महावीर की मूलवाणी बारसा सूत्र शोभादेवी मीठालाल वेदमुथा अपने निवास पर लेकर गए और भक्ति का आयोजन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष तेजराज मालानी, उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली एवं तनसुखराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका एवं निर्भयलाल गुलेच्छा, तेजराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, धर्मेंद्र संकलेचा, पुखराज कवाड, मोतीलाल ललवानी आदि अनेक ट्रस्टी उपस्थित थे।

श्री कांठा प्रांतीय ओसवाल साजना संघ, हुबली

जीवन पथ पर चलते-चलते, हो जाती हैं कई गलतियाँ...
हर भूल के लिए साफ मन और स्वच्छ हृदय से क्षमा याचना करते हैं...

॥ मिच्छामी दुक्कड़म ॥

शांतीलाल बोहरा
अध्यक्ष

राकेश कटारिया
सचिव

विनोदकुमार पी. पटवा
संयुक्त सचिव

ललित सेहलोत
संयोजक

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com